सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 287 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 31 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

तंबाकू पर छत्तीसगढ़ सरकार का 'कड़ा प्रहार', 14 हजार 948 शिक्षण संस्थान हुए तंबाकू मुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तंबाकू के खिलाफ छत्तीसगढ़ में चल रही मुहिम अब बड़ा रूप ले चुकी है। वर्ष 2025-26 में 70,440 लोगों ने तंबाकू छोड़ने के लिए काउंसलिंग ली, जबकि 6,563 लोगों को काउंसलिंग के साथ फार्माकोथेरेपी उपलब्ध कराई गई। युवाओं को तंबाकू से दूर रखने के लिए 4,577 नए शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित किया गया, जिससे राज्य में ऐसे संस्थानों की संख्या बढ़कर 14,948 हो गई है।

तंबाकू फ्री छत्तीसगढ़ अभियान का विशेष फोकस युवाओं व नाबालिगों को तंबाकू से दूर रखने पर रहा। Tobacco Free Educational Institution अभियान के तहत वर्ष के दौरान 4,577 नए शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित किया गया। पूर्व में घोषित 10,371 संस्थानों को मिलाकर राज्य में अब 14,948 शिक्षण संस्थान तंबाकू मुक्त घोषित किए जा चुके हैं। इनमें शासकीय एवं निजी स्कूलों के साथ प्रदेश के कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थान शामिल हैं।

जागरूकता के साथ सख्ती

तंबाकू नियंत्रण के लिए कानून के प्रभावी पालन पर जोर दिया गया। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर वर्ष के दौरान 7,783 चालान कर 10,97,670 रुपए का जुर्माना वसूला गया। वहीं 18 वर्ष से कम आयु के लोगों को तंबाकू उत्पाद बेचने अथवा उनसे खरीदने के मामलों में 1,088 चालान तथा शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री के विरुद्ध 1,187 चालान किए गए।

तंबाकू नियंत्रण के लिए प्रशिक्षण

तंबाकू नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ पुलिस, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, कृषि, शिक्षा, उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग को भी जोड़ा गया। विभिन्न विभागों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए गए। राज्य स्तरीय कानून प्रवर्तन प्रशिक्षण में 84 प्रतिभागियों, जबकि Tobacco Free Educational Institution से संबंधित प्रशिक्षण में 90 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

खास-खबर

तीन दिन की झमाझम बारिश के बाद बदलेगा मौसम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार तीन दिनों तक हुई तेज बारिश के बाद अब मौसम का मिजाज बदलने की तैयारी में है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को दक्षिण छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में अच्छी बारिश होने की संभावना है, जबकि 31 जुलाई के बाद प्रदेशभर में बारिश की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो सकती है। हालांकि कुछ जिलों में भारी बारिश का दौर अभी भी जारी रहने के आसार हैं। बीते तीन दिनों से सक्रिय मौसम प्रणाली के कारण प्रदेश के अधिकांश जिलों में लगातार बारिश हुई। कई शहरों और ग्रामीण इलाकों में तेज वर्षा से जनजीवन प्रभावित रहा। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अब तक औसत मौसमी बारिश सामान्य से लगभग 6 प्रतिशत कम दर्ज की गई है, लेकिन हाल की बारिश से कई जिलों में वर्षा का आंकड़ा तेजी से बढ़ा है।

स्कूल जा रही छात्रा के जबरन अपहरण का प्रयास

जीपीएम। जिले के पेंड्रा थाना क्षेत्र में स्कूल जा रही 17 वर्षीय छात्रा को जबरन मोटरसाइकिल पर बैठाकर जंगल की ओर ले जाने का मामला सामने आया है। छात्रा की शिकायत पर पेंड्रा पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार छात्रा ने शिकायत में बताया कि वह अपनी सहेली के साथ पैदल स्कूल की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में विक्की मरावी नामक युवक ने उसका रास्ता रोक लिया और अपने साथ चलने का दबाव बनाने लगा। छात्रा का आरोप है कि आरोपी ने गाली-गलौज की, थप्पड़ मारे और जान से मारने की धमकी देते हुए जबरन उसे अपनी मोटरसाइकिल पर बैठा लिया। विरोध करने के बावजूद आरोपी उसे मटियाडाड़ के जंगल की ओर ले जाने लगा। छात्रा ने बताया कि मटियाडाड़ जंगल के पास मोटरसाइकिल की रफ्तार धीमी होने पर वह किसी तरह उतरकर भाग निकली। इसके बाद उसने पास के एक घर से मोबाइल लेकर अपने माता-पिता को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सुरक्षित घर ले गए।

दुर्ग के चर्चित अफीम कांड में 939 पन्नों का चालान पेश

दुर्ग। जिले के बहुचर्चित अफीम खेती मामले में जेवरा सिरसा पुलिस ने 143 दिन की जांच के बाद गुरुवार को कोर्ट में 939 पन्नों की चार्जशीट पेश कर दी। पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार 8 आरोपियों को आरोपी बनाया है। वहीं दो आरोपी अब भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। इस पूरे मामले में पुलिस ने 79 लोगों को गवाह बनाया है। इनमें पुलिस, नारकोटिक्स, एफएसएल, राजस्व विभाग और दूसरे सरकारी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस ने जिन 8 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पेश की है, उनमें विकास विश्नोई, विनायक ताम्रकार, मनीष ठाकुर, छोटूराम, रणछोड़ राम, सुनील देवासी, मदरूपा राम और सुखाराम शामिल हैं। वहीं अचला राम और श्रवण विश्नोई अभी भी फरार हैं। दोनों पर 3-3 हजार रुपए का इनाम घोषित किया जा चुका है। पुलिस ने तय समय के भीतर जांच पूरी कर कोर्ट में चालान पेश किया है।

रेल नेटवर्क की मजबूती में छत्तीसगढ़ सरकार कर रही बेहतर कार्य : रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव

■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के रेलवे प्रोजेक्ट को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरूवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना के विस्तार, नई रेल परियोजनाओं तथा लंबित रेल लाइनों की प्रगति के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान रेल मंत्री वैष्णव ने छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क मजबूत करने की दिशा में सरकार के सहयोग की सराहना की। उन्होंने सीएम साय की सराहना करते हुए कहा कि रावघाट-जगदलपुर, कटघोरा-डोंगरगढ़ आदि के लिए जीमन अधिग्रहण सहित अन्य कार्य बेहतर तरीके से हुए हैं। सीएम साय ने इस बैठक में रेल अधोसरंचना से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू तथा

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे उपस्थित थे।

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कटघोरा-डोंगरगढ़ नई रेलवे लाइन परियोजना पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि लगभग 295 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी रेल परियोजना का विकास रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए दोनों संस्थाओं की साझेदारी में एक स्पेशल परपज़ व्हीकल का गठन किया जाएगा। यह रेल लाइन कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक पहुंचेगी तथा ऐसे अनेक क्षेत्रों को पहली बार रेलवे नेटवर्क से जोड़ेगी, जहां अब तक रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है।

बैठक में रावघाट-जगदलपुर रेलवे लाइन परियोजना की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 140 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यक कार्यवाही पूरी की जा चुकी है तथा रेलवे द्वारा निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने से बस्तर अंचल की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश की तीन अन्य महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं - सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) तथा अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) - को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। बैठक के दौरान किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किलोमीटर) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) (490 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजनाओं के सर्वे कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर आगामी कार्यवाही प्रारंभ करने का अनुरोध किया। इस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की दिशा में सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

पीएम मोदी के एआई डीपफेक वीडियो पर शिकंजा, मेटा इंडिया प्रमुख अरुण श्रीनिवास पर एफआईआर दर्ज

हैदराबाद। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फर्जी और एआई-जनरेटेड वीडियो वायरल होने के मामले में हैदराबाद पुलिस ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। हैदराबाद की साइबर क्राइम पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा इंडिया के प्रमुख अरुण श्रीनिवास और कई सोशल मीडिया यूजर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह पूरी कार्रवाई दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए एक छात्र आंदोलन के बाद सोशल मीडिया पर तेजी से फैलाए गए एआई-मॉर्फ्ड यानी तकनीक के जरिए बदले गए वीडियो के संदर्भ में की गई है। इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फर्जी खबरें और भ्रामक सामग्री फैलाना अब महंगा पड़ सकता है।

जांच अधिकारियों के मुताबिक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर पीएम मोदी से जुड़े फर्जी वीडियो इस

तरह तैयार और शेयर किए जा रहे थे, जिससे आम जनता के गुमराह होने का गंभीर खतरा पैदा हो गया था। पुलिस इस समय पूरे मामले की गहराई से पड़ताल कर रही है। जांच में यह जानने की कोशिश की जा रही है कि इन फर्जी वीडियो को सबसे पहले कहां से और किसने अपलोड किया, इन्हें किन खातों के जरिए आगे बढ़ाया गया और किस इरादे से फैलाया गया। इसके अलावा, पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि इन हरकतों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी अधिनियम के किन-किन प्रावधानों का उल्लंघन हुआ है।

लगातार बारिश से गंगरेल का जलस्तर बढ़ा छोड़ा जा सकता है 20 हजार क्यूसेक पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में हो रही लगातार बारिश के चलते गंगरेल जलाशय में पानी की आवक अब तेज हो गई है। गंगरेल बांध में हो रही लगातार पानी की आवक से लगभग 64 प्रतिशत भर चुका है। जलाशय में वर्तमान लाइव जल भंडारण क्षमता 485.23 एमसीएम दर्ज की गई है।

मिली जानकारी अनुसार गुरुवार 30 जुलाई की रात्रि 8 बजे जलाशय की स्थिति के अनुसार गंगरेल बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में जलाशय का जल स्तर 345.39 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) 348.70 मीटर है। जलाशय में वर्तमान लाइव जल भंडारण क्षमता 485.23 एमसीएम है, जो कुल क्षमता का 63.26 प्रतिशत है। जल संसाधन विभाग के अनुसार गंगरेल जलाशय में वर्तमान समय में 94,500 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है, जिससे जलाशय का स्तर लगातार बढ़ रहा है। मुख्य अभियंता के निर्देशानुसार वर्तमान जल आवक, बांध की सुरक्षा तथा डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में संभावित बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए गंगरेल जलाशय से नरराज बैराज की ओर 20,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा सकता है।

जल संसाधन विभाग ने स्पष्ट किया है कि पानी छोड़े जाने से पहले जिला प्रशासन, संबंधित विभागों तथा डाउनस्ट्रीम क्षेत्र के अधिकारियों को अनिवार्य रूप से सूचना दी जाएगी। साथ ही प्रभावित गांवों और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को भी समय रहते सतर्क किया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। प्रशासन ने नदी एवं नालों के किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने, अनावश्यक रूप से नदी में प्रवेश नहीं करने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। विभाग लगातार जलाशय की स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जलस्तर के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

अगले साल होने वाले वनडे विश्वकप के वेन्यू घोषित दक्षिण अफ्रीका के आठ स्टेडियमों पर होंगे मैच

■ दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में विश्वकप 2027 का आयोजन

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाले 2027 वनडे विश्व कप के लिए 12 वेन्यू तय कर लिए गए हैं। सह-मेजबान दक्षिण अफ्रीका के आठ स्टेडियम इन खेलों की मेजबानी करेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। यह प्रतिष्ठित 50 ओवर का टूर्नामेंट 24 साल बाद दक्षिण अफ्रीका में वापसी कर रहा है। इससे पहले 2003 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने आठवें पुरुष क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी की थी।

जोहानिसबर्ग में आयोजित एक भव्य समारोह में दक्षिण अफ्रीका के आठ शहरों, जिम्बाब्वे के तीन शहरों और नामीबिया की राजधानी विंडहोक को टूर्नामेंट के सह-मेजबान के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ, मखाया एनटिनी, हाशिम अमला, तेम्बा बावुमा और कगिसो रबाडा के अलावा जिम्बाब्वे के हैमिल्टन मासकाद्जा और नामीबिया के रुडोल्फ जानसेन वान वुरेन भी मौजूद थे।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, 24 साल बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की दक्षिण अफ्रीका में वापसी क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। हमें पूरा विश्वास है कि दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया एक यादगार आयोजन करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के वेन्यू

- वांडरर्स स्टेडियम (जोहानिसबर्ग)
- सुपरस्पोर्ट पार्क, सेंचुरियन (श्वाने)
- न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड (केपटाउन)
- किंग्समीड क्रिकेट ग्राउंड (डरबन)
- सेंट जॉर्ज पार्क (गकेबेर्हा)
- मंगाउंग ओवल (ब्लोमफोंटेन)
- बोलैंड पार्क (पार्ल)
- बफेलो पार्क (कुगोम्पो सिटी)

जिम्बाब्वे के वेन्यू

- हरारे स्पोर्ट्स क्लब (हरारे)
- क्वींस स्पोर्ट्स क्लब (बुलावायो)
- फाले मोसी-ओआ-टुन्या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (विक्टोरिया फॉल्स)

नामीबिया का वेन्यू

- नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड (विंडहोक)

संपादकीय

कोई उनके लिए कुछ करता है तो युवा होते हैं प्रभावित

देश में करोड़ों युवा हैं, हर चुनाव में वह किसी दल को,किसी दल के नेता से प्रभावित होकर वोट देते हैं। उनके वोट से भी चुनाव में हार जीत होती है। जिस राजनीतिक दल व नेता से वह ज्यादा प्रभावित होते हैं, उसका ज्यादा वोट देते हैं। इसलिए जब भी मौका मिलता है तो देश के बड़े व प्रमुख राजनीतिक दल युवाओं के प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। नीट पेपर लीक मामले में सीजेपी ने उनके लिए एक महीने से ज्यादा आंदोलन किया।सोनम वांगचुक ने उनके लिए 20दिन से ज्यादा अनशन किया। इससे देश के युवा सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके व सोनम वांगचुक प्रभावित हुए कि उन्होंने उनके लिए आंदोलन किया,अनशन किया। शिक्षामंत्री को पेपर लीक के लिए जिम्मेदार बताते हुए इस्तीफे की मांग की और सरकार को शिक्षामंत्री की इस्तीफा लेना पड़ा। देश के युवा उनसे प्रभावित हुए और जंतर मंतर पर उनका समर्थन किया। यह दोनों तो चुनाव नहीं लड़ते हैं,मगर देश के दूसरे राजनीतिक दल कांग्रेस आदि तो चुनाव लड़ते हैं,इसलिए उनके नेता भी युवाओं को यह बताने व जताने का प्रयास कर रहे हैं कि देखों हम भी तुम्हारे लिए संसद के भीतर व बाहर सरकार से लड़ रहे है।हमको तुम्हारी चिंता है।

> “ नीट पेपर लीक मामले में सीजेपी ने उनके लिए एक महीने से ज्यादा आंदोलन किया।सोनम वांगचुक ने उनके लिए 20दिन से ज्यादा अनशन किया। इससे देश के युवा सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके व सोनम वांगचुक प्रभावित हुए कि उन्होंने उनके लिए आंदोलन किया,अनशन किया। शिक्षामंत्री को पेपर लीक के लिए जिम्मेदार बताते हुए इस्तीफे की मांग की और सरकार को शिक्षामंत्री की इस्तीफा लेना पड़ा। देश के युवा उनसे प्रभावित हुए और जंतर मंतर पर उनका समर्थन किया।

विपक्ष के नेताओं मे राहुल गांधी जब से बांग्लादेश,नेपाल,श्रीलंका में जेनजी ने आंदोलन कर सरकार का तख्ता पलटने जैसा काम किया है।वह चाहते हैं कि यहां के जेनजी भी वैसा ही कुछ सड़क पर आकर करें। वह जेनजी से कई बार आव्हान कर चुके हैं। उनके कहने व चाहने से देश के जेनजी ने वैसा तो कुछ नहीं किया है। उनके पास मौका था जंतर मंतर जाकर जेनजी के आंदोलन का समर्थन करने का लेकिन वह यह मौका चूक गए और नीट पेपर लीक मामले में अलग से आंदोलन करते रहे, पीएम आवास के समक्ष धरना दिया। जंतर मंतर में जेनजी का आंदोलन तो शिक्षामंत्री के इस्तीफे के बाद समाप्त हो गया। इसका श्रेय अभिजीत व वांगचुक को मिला,ऐसे में राहुल गांधी के पास यह बताने को कुछ नहीं था कि उनके आंदोलन से जेनजी को क्या फायदा हुआ। ऐसे में राहुल गांधी के लिए यह बताना जरूरी हो गया था कि देखों तुम्हारे लिए मैं संसद के भीतर लड़ रहा हूं। लड़ने के लिए कोई मुद्दा चाहिए तो उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को ही मुद्दा बना लिया और इसके लिए गृहमंत्री अमित शाह को दोषी बताने का प्रयास किया। यानी पुलिस ने छात्रों के साथ जो कुछ भी बुरा किया वह अमित शाह के कहने पर किया इसलिए अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए।

यहीं राहुल गांधी की सबसे बड़ी गलती कर गए। अभिजीत दीपके भी चाहते तो शिक्षामंत्री के साथ शाह व मोदी के इस्तीफे की मांग कर सकते थे लेकिन वह आंदोलन को सफल बनाना चाहते थे इसलिए उन्होंने शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग की यह मांग पूरी की जा सकती थी इसलिए पूरी कर दी गई। राहुल गांधी मान बैठे कि जब अभिजीत की मांग पर शिक्षामंत्री का इस्तीफा हो सकता है तो मैं तो नेता प्रतिपक्ष हूं मेरी मांग पर अमित शाह का इस्तीफा क्यों नहीं हो सकता। राहुल गांधी हमेशा इतनी बडी़ मांग करते हैं कि जो पूरी नहीं हो पाती है और वह असफल नेता हर बार साबित होते हैं।संसद में बोलते वक्त भी वह कहना कुछ होता है और कह कुछ और जाते हैं और उनके ही सब किए कराए पर पानी फिर जाता है। संसद में बोलते वक्त उनके मुंह से निकल गया कि गृहमंत्री शाह ने पुलिस को छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। सत्ता पक्ष को बोलने का मौका मिला और उन्होंने राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति की और राहुल गांधी से गोली चलने का सबूत देने या माफी मांगने को कहा। सत्ता पक्ष की ओर से कहा गया कि आंदोलनकारियों पर न तो गोली चली है और न ही पैलेट गन चली है। राहुल गांधी सरासर झूठा आरोप लगा रहे हैं।राहुल गांधी हर बार संसद में कुछ न कुछ ऐसा कह जाते हैं कि उनको ही नुकसान होता है। वह बीस साल से सांसद है,उनको संसद के सब कायदे कानून मालूम है लेकिन वह हर बार कायदे कानून के परे जाकर कुछ न कुछ ऐसा कह देते हैं कि कायदे कानून के अनुसार वह गलत होता है। इस बार भी सत्ता पक्ष के लोगों ने उनको गलत ठहराया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कहना पड़ा कि आप ने गलत किया है।संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति जताई कि बिना किसी आधार के किसी पर आरोप लगाना गलत है।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सदन में गृहमंत्री पर चर्चा नहीं हो रही है।राहुल गांधी को गृहमंत्री पर कोई आरोप नहीं लगाना चाहिए।

गांधी के गुजरात से ग्लोबल गुजरात : लोथल की विरासत से गिफ्ट सिटी के भविष्य तक

रमेश जायभाये

एक तरफ साबरमती के किनारे गांधी के विचारों की शांति, दूसरी तरफ GIFT City की गगनचुंबी इमारतों में गूंजती वैश्विक वित्त की हलचल; बीच में लोथल की 4,500 वर्ष पुरानी समुद्री विरासत, अमूल की सहकारिता की ताकत, हाई-स्पीड रेल की तकनीकी रफ्तार और सैनंद में आकार लेता सेमीकंडक्टर युग—गुजरात की पांच दिवसीय यात्रा में छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने एक ऐसे भारत को करीब से देखा, जहां इतिहास केवल अतीत में नहीं, बल्कि भविष्य की नींव में भी जीवित है।

किसी प्रदेश को समझने के लिए कभी-कभी उसके शहरों से ज्यादा उसके समय को देखना पड़ता है। गुजरात में यह समय एक साथ कई दिशाओं में चलता दिखाई देता है। लोथल में करीब 4,500 वर्ष पुरानी समुद्री सभ्यता की स्मृतियां हैं, साबरमती में गांधी के विचारों की गूंज है, आनंद में सहकारिता आंदोलन की शक्ति है, सैनंद में सेमीकंडक्टर युग की दस्तक है और GIFT City में वैश्विक वित्त की महत्वाकांक्षा। इनके बीच सरदार पटेल की विराट प्रतिमा खड़ी है—एक ऐसे भारत की याद दिलाती हुई, जिसने एकता को अपनी ताकत बनाया और अब वैश्विक मंच पर अपनी नई पहचान गढ़ने की कोशिश कर रहा है।

यही गुजरात की सबसे दिलचस्प तस्वीर है—यहां इतिहास पीछे छूटता नहीं, बल्कि भविष्य की राह में साथ चलता है।

पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित गुजरात अध्ययन दौरे पर पहुंचे छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने इन अलग-अलग पड़ावों को करीब से देखा और समझा। पांच दिनों के इस सफर में कभी महात्मा गांधी के जीवन और विचारों की स्मृतियों के बीच संवाद हुआ, कभी अमूल के माध्यम से गांव और किसान की आर्थिक शक्ति को समझने का अवसर मिला, तो कभी हाई-स्पीड रेल, सेमीकंडक्टर और अंतरराष्ट्रीय वित्त जैसे क्षेत्रों में भारत की बदलती आकांक्षाओं की झलक मिली।

इस यात्रा की खासियत शायद यही थी कि हर पड़ाव अगले पड़ाव से जुड़ता चला गया। साबरमती ने विचार दिया, आनंद ने सहकारिता की ताकत दिखाई, लोथल ने विरासत की गहराई बताई, हाई-स्पीड रेल ने तकनीकी महत्वाकांक्षा दिखाई, सैनंद ने औद्योगिक भविष्य की दस्तक सुनाई और GIFT City ने वैश्विक भारत की आर्थिक तस्वीर सामने रखी। और फिर एकतानगर में सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा के सामने खड़े होकर लगा कि इन सभी कहानियों के बीच एक अदृश्य सूत्र मौजूद है—एक ऐसा भारत, जो अपनी जड़ों को संभालते हुए दुनिया के सामने अपनी नई पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है।

साबरमती : जहां शोर के बीच भी सुनाई देती है एक आवाज

साबरमती आश्रम पहुंचते ही यात्रा जैसे कुछ पल के लिए ठहर गई। कैमरों और मोबाइल फोन की चहल-पहल के बीच भी एक अलग तरह की खामोशी महसूस होती थी। शायद इसलिए कि यह वह जगह थी, जहां कभी एक ऐसे व्यक्ति ने अपने प्रयोग किए थे, जिसकी आवाज बाद में पूरे देश की आवाज बन गई।

कोचरब आश्रम में महात्मा गांधी के शुरुआती वर्षों की कहानी सुनते हुए यह अहसास हुआ कि इतिहास हमेशा बड़ी घटनाओं से नहीं बनता। कभी-कभी वह एक छोटे से आश्रम, कुछ लोगों के सामूहिक जीवन और एक विचार से शुरू होता है। और फिर वही यात्रा हमें उस गुजरात में ले आई, जहां आज करोड़ों रुपये की परियोजनाएं और वैश्विक वित्तीय संस्थान भविष्य की इबारत लिख रहे हैं। एक ही धरती पर गांधी का चरखा भी था और हाई-स्पीड रेल की तकनीक भी। शायद गुजरात को समझने की पहली कुंजी यहीं मिल गई थी।

आनंद : दूध की बूंदों में छिपी एक बड़ी कहानी

आनंद में अमूल की कहानी सुनते हुए पत्रकारों के बीच सवाल-जवाब का सिलसिला कुछ अलग ही था। यहां कोई बड़ी-बड़ी आर्थिक शब्दावली नहीं थी। बात थी दूध की, पशुपालक की, गांव की और उस भरोसे की, जिसने एक सहकारी आंदोलन को देश के सबसे पहचानने योग्य ब्रांडों में बदल दिया।

डॉ. प्रीति शुक्ला से संवाद के दौरान अमूल के विस्तार और नेटवर्क की जानकारी मिली तो एक बात साफ हुई—किसी ब्रांड की असली ताकत केवल उसके उत्पाद में नहीं होती। उसकी ताकत उस व्यवस्था में होती है, जो हजारों-लाखों लोगों को उससे जोड़ती है।

अमूल की कहानी सुनते हुए शायद कई पत्रकारों के मन में अपने-अपने गांव और वहां के दूध उत्पादक परिवारों की तस्वीर भी उभरी होगी। गुजरात की इस यात्रा में यह महसूस हुआ कि विकास का अर्थ केवल बड़ी इमारतें नहीं हैं। कभी-कभी वह किसी किसान के घर की रसोई में भी दिखाई देता है।

लोथल : इतिहास की मिट्टी से उठती समुद्र की खुशबू

लोथल पहुंचने पर यात्रा जैसे अचानक बहुत पीछे चली गई। सामने आधुनिक भारत था, लेकिन जमीन के भीतर और इतिहास की परतों में हजारों साल पुरानी दुनिया सांस ले रही थी। करीब 4,500 वर्ष पुरानी समुद्री विरासत की कहानी सुनते हुए यह कल्पना करना रोमांचक था कि जिस भारत को आज हम बंदरगाहों, समुद्री व्यापार और ब्लू इकॉनमी की बात करते सुन रहे हैं, उसके समुद्री संबंध कितने पुराने हैं।

लोथल में विकसित हो रहा राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर इसी समृद्ध विरासत को आधुनिक तरीके से सामने लाने का प्रयास है। यहां इतिहास केवल संग्रहालय की वस्तु बनकर नहीं रहता, बल्कि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए शिक्षा, शोध, पर्यटन और समुद्री चेतना का माध्यम बनने की दिशा में आगे बढ़ता दिखाई देता है।

सैकड़ों किलोमीटर लंबे वायाडक्ट, नदी पुल, पहाड़ों को काटती सुरंगें और भविष्य की रेल के लिए तैयार होता विशाल ढांचा—यह सब सुनते हुए मन में एक ही तस्वीर बनती थी।

एक दिन यही रास्ता खुलेगा और ट्रेन इतनी तेजी से गुजरेगी कि शायद आज की ये सुरंगें और पुल पीछे छूटते हुए सिर्फ कुछ सेकंड में दिखाई देंगे।

लेकिन उस गति के पीछे आज हजारों इंजीनियर, तकनीशियन और श्रमिक अपना समय और कौशल लगा रहे हैं।

वलसाड की सुरंग से लेकर पालघर के पर्वतीय क्षेत्रों तक निर्माण की प्रगति ने यह दिखाया कि भविष्य अचानक नहीं आता। उसे पहले जमीन के नीचे, फिर जमीन के ऊपर और अंततः लोगों की जिंदगी में बनाया जाता है।

सैनंद : जब भारत चिप बनाने की दिशा में आगे बढ़ता है

गुजरात की यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव सैनंद था, जहां से भारत के उभरते सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र की तस्वीर सामने आई। सेमीकंडक्टर आज केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं है। मोबाइल फोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा तकनीक और आधुनिक संचार व्यवस्था तक—लगभग हर महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्र इसकी उपलब्धता और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ा है।

सैनंद में विकसित हो रही सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षमता ने यह संकेत दिया कि भारत अब केवल वैश्विक तकनीकी उत्पादों का बाजार बनने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि उनकी मूल तकनीकी आपूर्ति श्रृंखला में भी अपनी मजबूत जगह बनाना चाहता है।

यहां खड़े होकर गुजरात की यात्रा का एक और सूत्र समझ में आया—जिस प्रदेश ने कभी दूध की बूंदों को सहकारिता की ताकत में बदला, वही अब अत्याधुनिक तकनीक के क्षेत्र में अपनी नई पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है।

गिफ्ट सिटी : जहां बातचीत अचानक डॉलर में होने लगती है और फिर आया गिफ्ट सिटी का पड़ाव। यहां पहुंचते ही यात्रा की भाषा बदल गई।

अब बात दूध की नहीं, डॉलर की थी। अब चर्चा गांव की सहकारिता से निकलकर वैश्विक पूंजी, बैंकिंग, फंड मैनेजमेंट, बीमा, पूंजी बाजार, ट्रेजरी, विमान एवं पोत लीजिंग, व्यापार वित्त और सतत वित्त तक पहुंच गई थी।

गिफ्ट सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविचल खेरा और महाप्रबंधक जया चतुर्वेदी से संवाद के दौरान गिफ्ट सिटी के विकास और भविष्य की संभावनाओं की तस्वीर सामने आई। भारत से जुड़े अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कारोबार को भारत की जमीन पर वापस लाने की अवधारणा इस पूरे विकास की केंद्रीय सोच के रूप में सामने आई।

कभी भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय गतिविधियों के लिए सिंगापुर, दुबई, मॉरीशस या अन्य केंद्रों की ओर देखना पड़ता था। अब भारत अपने भीतर ऐसा मंच तैयार कर रहा है, जहां वैश्विक वित्तीय गतिविधियों के लिए आवश्यक ढांचा उपलब्ध हो।

गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित क्षेत्र में बैंकिंग, फंड मैनेजमेंट, पूंजी बाजार, बीमा, ट्रेजरी, विमान एवं पोत लीजिंग तथा अन्य वित्तीय सेवाओं से जुड़ी गतिविधियां आकार ले रही हैं।

एक पत्रकार ने सवाल पूछा और चर्चा थोड़ी देर के लिए कराधान और रोजगार तक पहुंच गई।

तभी यह बात सामने आई कि किसी वित्तीय केंद्र का योगदान केवल उस कर से नहीं मापा जाता, जो वह आज जमा करता है। सवाल यह भी है कि वह कितनी आर्थिक गतिविधि देश में वापस लाता है, कितने रोजगार पैदा करता है और कितनी प्रतिभा को देश में रोकता है।

बहुत सारे फैसले ऐसे हैं, जिनके लिए विशेषज्ञ की राय जरूरी है

कौशिक बसु

भारत सरकार में मुख्य आर्थिक सलाहकार और विश्व बैंक में चीफ इकोनॉमिस्ट के रूप में वर्षों तक काम करते हुए मुझे यह समझ में आया कि अर्थशास्त्र कितना विचित्र विषय है। अर्थशास्त्र का औपचारिक प्रशिक्षण न रखने वाले नेता भी कभी-कभी ऐसे नीतिगत निर्णय ले लेते हैं, जो पेशेवर विशेषज्ञों के निर्णयों जितने ही उचित होते हैं। लेकिन इसके कुछ आयाम ऐसे भी हैं, जो इंजीनियरिंग जितने सटीक होते हैं।

इन क्षेत्रों में यदि बिना विशेषज्ञों की सहायता के नीतिगत निर्णय लें, तो यह वैसा ही होता है, जैसे किसी अकाउंटेंट से किसी पुल का डिजाइन तैयार करने को कहा जाए। कई गंभीर भूलें तब होती हैं, जब राजनीतिक नेतृत्व ऐसे क्षेत्रों में कदम रखता है, जहां विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। नोटबंदी इसका उल्लेखनीय उदाहरण था।

टैरिफों को बार्गेनिंग के उपकरण के रूप में उपयोग करने की ट्रम्प की शैली इसका एक और उदाहरण है। यदि टैरिफ कम हों, तो कंपनियां क्रॉस-बॉर्डर ट्रेड पर आधारित बिजनेस में निवेश करेंगी। यदि टैरिफ अधिक हों, तो वे घरेलू उत्पादन में निवेश करेंगी।

लेकिन जब टैरिफों की बार-बार घोषणा की जाए, उन्हें स्थगित किया जाए, उन पर दोबारा बातचीत की जाए, उनमें छूट दी जाए और दूसरे देशों से रियायतें हासिल करने या उन्हें दंडित करने के राजनीतिक हथियार के रूप में उन्हें आगे बढ़ाया जाए, तो कंपनियां दोनों में से किसी भी क्षेत्र में निवेश करने से हिचकने लगती हैं। इस नीतिगत अनिश्चितता की कीमत अमेरिका ने अधिक महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि के रूप में चुकाई है।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के तहत भारत सरकार में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने नीलामी-प्रक्रिया के महत्व को भी देखा। 2010 में, सरकार 3जी स्पेक्ट्रम के लाइसेंस बेचने की तैयारी कर रही थी, जिसके बारे में अधिकारियों का अनुमान था कि इससे 7 अरब डॉलर मिलेंगे।

मैंने सिफारिश की कि पारम्परिक प्रशासनिक प्रक्रिया पर निर्भर रहने के बजाय सरकार एक पेशेवर रूप से डिजाइन की गई नीलामी को लाइसेंसों का बाजार-मूल्य तय करने दे। मनमोहन सिंह स्वयं एक प्रशिक्षण-प्राप्त अर्थशास्त्री थे, वे इस बात से सहमत हो गए।

नीलामी से अंततः लगभग 15 अरब डॉलर जुटाए गए। यदि स्पेक्ट्रम को पारम्परिक प्रक्रिया के जरिए आवंटित किया गया होता, तो सरकार लगभग 8 अरब डॉलर गंवा देती और यह पैसा निजी फर्मों के पास चला जाता।

भ्रष्टाचार-रोधी नीति भी ऐसा क्षेत्र है, जहां आर्थिक विशेषज्ञता अपरिहार्य है। भ्रष्टाचार लंबे समय से भारत के लिए भी एक गंभीर समस्या रहा है। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के आरोप यह दर्शाते हैं कि देश की सबसे प्रतिष्ठित संस्थाएं भी इससे अछूती नहीं हैं।

स्वाभाविक है कि भारतीय चाहते हैं कि भ्रष्ट अधिकारियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए, लेकिन भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए केवल नैतिक उपदेश या कठोर दंड पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रोत्साहनों, बाजारों और संस्थागत ढांचे की समझ भी जरूरी है।

1950 के दशक की शुरुआत में ताइवान का अनुभव इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। अन्य देशों के व्यापारियों की तरह ताइवान के कारोबारी भी कर चोरी के लिए अकसर अपनी बिक्री का पूरा रिकॉर्ड दर्ज नहीं करते थे। इससे निपटने के लिए ताइवान ने 1951 में यूनिफॉर्म इनवॉइस लॉटरी शुरू की।

चिंग राजवंश के समय से प्रचलित आधिकारिक रिकॉर्ड की परम्परा से प्रेरणा लेते हुए प्रत्येक आधिकारिक ग्राहक-रसीद को नियमित नकद पुरस्कार वाली लॉटरी का टिकट बना दिया गया। इस व्यवस्था ने लाखों लोगों को रसीद मांगने का व्यक्तिगत प्रोत्साहन दिया, जिससे वे कर-प्रवर्तन की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बन गए।

इसके परिणाम उल्लेखनीय रहे। कारोबारी केवल रसीद जारी न करके कर चोरी नहीं कर सकते थे, क्योंकि अब ग्राहकों के पास रसीद लेने का मजबूत प्रोत्साहन था। एक वर्ष के भीतर ही ताइवान में कर राजस्व 75% बढ़ गया।

जैसे-जैसे राजनीति उन क्षेत्रों में हस्तक्षेप करने लगी है, जहां तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, वैसे-वैसे आर्थिक भूलों का जोखिम भी बढ़ता गया है। यदि अतीत की भूलों से कोई सीख मिलती है, तो वो यह है कि राजनीतिक इंस्टिक्ट्स कठोर आर्थिक विश्लेषण का विकल्प नहीं हो सकतीं।

(प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

साथियों को भूखे मरता छोड़ खुद जीत का जश्न बनाती कॉकरोच जनता पार्टी

राकेश सैन

केवल आम जनता ही नहीं बल्कि खुद सीजेपी के आंदोलन से जुड़े लोगों ने इसे शर्मनाक बताया है। सीजेपी के मंच पर भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने वायरल वीडियो को लेकर कहा है कि जीत के साथ विनम्रता भी होनी चाहिए। सोनम ने कहा कि सफेलता पाने के साथ-साथ सम्मान और विनम्रता बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

गिद्धों का भी एक धर्म होता है, वो जिंदा जानवरों का मांस नहीं खातीं। वह प्रतीक्षा करती हैं उसके मरने की और प्राण छोडने् के बाद ही लोथड़ों को नोचती हैं। लेकिन आज का इंसान गिद्ध से भी ज्यादा विभत्स हो गया लगता है। नीट पेपर लीक को लेकर देश भर में प्राण गंवाने वाले 21 युवाओं के पोस्टर लगा कर दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना देने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के नेता इन युवाओं का शोक मनाना तो दूर बल्कि केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के तुरंत बाद फाइव स्टार होटलों में कुल्हे मटकाते और बोतलों के ढक्कन खोलते दिखे। पेपर लीक मामले में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र हो गया और लगभग एक महीने से दिल्ली के जंतर मंतर पर लोकतंत्र की नई-नई रखवाली कॉकरोच जनता पार्टी का धरना भी खत्म हो गया पर दो दिनों के भीतर ही इन नए नवेले लोकतंत्र के रखवालों का असली चेहरा सामने आने लगा है। नीट पेपर लीक होने के आक्रोश में मारे गए जिन युवाओं के पोस्टर लगा कर कोहराम मचाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने इतना तमाशा किया वो अपने साथियों को भूखे मरता छोड़ खुद फाइव स्टार होटलों में ठुमके लगाते और बीयर पार्टी करते हुए दिखाई दिए। लाशों के मंच पर लग रहे ठुमके और उड़ रही शराब की दुर्गंध इस बात की साक्षी है कि इस तरह की हरकत करने वालों के मनों में कितनी सड़ांध भरी होगी।

केवल आम जनता ही नहीं बल्कि खुद सीजेपी के आंदोलन से जुड़े लोगों ने इसे शर्मनाक बताया है। सीजेपी के मंच पर भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने वायरल वीडियो को लेकर कहा है कि जीत के साथ विनम्रता भी होनी चाहिए। सोनम ने कहा कि सफलता पाने के साथ-साथ सम्मान और विनम्रता बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। सीजेपी समर्थकों ने भी पार्टी के वीडियो की आलोचना की है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के संस्थापक सदस्य और कमेंटेटर-यूट्यूबर मेघनाद ने सीजेपी नेताओं पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब विरोध प्रदर्शन खत्म होने के बाद दर्जनों प्रदर्शनकारी सडक़ों पर बेघर और भूखे रह गए थे तब ये नेता पार्टी कर रहे थे। इंस्टाग्राम पोस्ट में मेघनाद ने कहा कि उन्होंने और कुछ अन्य लोगों ने उन दर्जनों प्रदर्शनकारियों के लिए यात्रा और भोजन का इंतजाम किया जो सीजेपी नेताओं के साथ एक महीने से ज्यादा समय से जंतर-मंतर पर डेरा डाले हुए थे।

मेघनाद ने सीजेपी पार्टी के वीडियो के बारे में लिखा, 'मैं यह सुबह 4 बजे देख रहा हूं। मैंने और कुछ लोगों ने पिछले दो दिनों में अपने पैसे से सीजेपी के उन वॉलंटियर्स और प्रदर्शनकारियों को घर भेजा है जिन्हें बेसहारा और भूखा छोड़ दिया गया था। मैं कुछ नहीं कहने वाला था लेकिन मैंने यह वीडियो देखा और मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है।' उन्होंने सीजेपी के लिए कड़े शब्दों के साथ अपनी पोस्ट खत्म की, 'जब आप पार्टी कर रहे थे तब दिल्ली में 70 से ज्यादा प्रदर्शनकारी और छात्र भूखे रह गए क्योंकि आपने परवाह न करने का फैसला किया था। बधाई हो सीजेपी आखिरकार आप भी एक और राजनीतिक पार्टी बन ही गए।'

ऐसा शायद पहली बार हुआ है कि किसी आंदोलन के खत्म होने के दो दिनों बाद ही उसमें फूट पड़ती दिख रही हो। आखिर पड़े भी क्यों ना, कुछ लोगों ने देश के युवाओं के आक्रोश का लाभ उठाया और देखते ही देखते वे दुनिया में अभियानवादियों के स्टार बन गए। उनकी कही बातें अब इंटरनेशनल मीडिया में गूंज रही हैं और उनकी भाव भंगिमा ऐसी है मानो उन्होंने बहुत बड़ा मार्का मार लिया हो। लेकिन क्या फाइव स्टार होटलों में गुलछर्रे उड़ाने वाले जेन-जी नेता बताएंगे कि आंदोलन के दौरान कितनी बार पेपर लीक के मृतकों को याद किया गया।

केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे के बाद काक्रोचों ने अहंकारमयी मुद्रा में आकर कहा कि 'झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए।' सीजेपी के नेता जीत के जश्न में उन लोगों को क्यों भूल गए जिन्होंने अपनी जानें दीं। उन परिवारों को क्यों नहीं बुलाया गया जिन्होंने अपने बच्चों को खोया। असल में कुछ अभियानवादियों ने इन 21 युवाओं की लाशों का मंच की तरह उपयोग किया और अपना कद बड़ा कर चलते बने। कहने को ये जेन-जी वाले शिक्षा नीति में सुधार का नारा लेकर आए थे परंतु इनका असली नारा यही दिखता है कि 'अपना काम है बनता-भाड़ में जाए जनता।' ऐसे मुर्दाखोर आंदोलनकारियों पर तो शायद गिद्धों को भी शर्म आ जाए।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इस्तीफे पर बजे ढोल, मुद्दे वहीं खड़े

आजकल छात्रों की हर बेचैनी पर सबसे पहले रोटी सेंकने पहुंचते हैं राजनीति के महारथी। कोई अपनी विचारधारा की डुगडुगी बजाता है, कोई अपने झंडे का डंडा गाड़ता है। हरियाणा में कहावत है— 'ब्याह म्हं आए थे, घोड़ी पै चढ़ बैठे।' गर्दन ढीली किए जंतर-मंतर से उठकर जब एक लड़का घर पहुंचा, तो उसके ताऊ ने पूछा— 'इस्तीफा हो गया?' लड़का बोला—'हां।' फिर पिता ने पूछा—'तेरी सारी समस्या खत्म?' लड़के का जवाब था—'ना।' अब उसकी मां बोली—'फेर ढोल किस बात के बजा रहे थे?' लड़का निरुत्तर था। नौजवानों की न तो बेरोजगारी की समस्या हल हुई, न फीस की, न पेपरों की, और न ही नौकरी में रिजर्वेशन की; तो अब लड़के के चाचा ने पूछा—'तो बेटा, तेरे हिस्से में क्या आया?' लड़का बोला—'तीन रील, दो सेल्फी अर एक बड़े नेता जी का ऑटोग्राफ।' अचानक इस्तीफा आया अर सबने समझ लिया—लो भई, नौजवानों की सारी समस्याएं बैलगाड़ी में बैठकर गांव लौट गईं। इस्तीफा होते ही सब ऐसे घर लौटे, जैसे खेत की सारी घास एक ही दरांती में कट गई हो।

मंत्री का इस्तीफा होता है और जंतर-मंतर पर ढोल बजते हैं, विजयी मुद्रा में हाथ उठते हैं, धरना समाप्त हो जाता है। भीड़ लौट जाती है, मुद्दे वहीं खड़े रह जाते हैं। इस्तीफा आते ही कइयों के चेहरे यों उतर गए जैसे किसी मेले के आखिरी दिन झूला झूलने वाला बच्चा उदास हो जाए। हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि कुछ लोग आंदोलन में भाग नहीं लेते, आंदोलन का आनंद लेते हैं। उन्हें मुद्दे से कम, माहौल से अधिक प्रेम होता है, क्योंकि उनके लिए हर आंदोलन एक उत्सव है।

लाल बहादुर शास्त्री ने रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया था। तो क्या उसके बाद रेल दुर्घटनाएं हमेशा के लिए समाप्त हो गईं? नहीं। इस्तीफा उत्तरदायित्व का प्रतीक हो सकता है, समाधान का पर्याय नहीं। अगर इस्तीफों से समस्याएं मिटतीं, तो इतिहास में शास्त्री जी का इस्तीफा आखिरी होता। हमारे यहां समस्या का समाधान नहीं होता, बस 'बलि का बकरा' बदल दिया जाता है। आजकल छात्रों की हर बेचैनी पर सबसे पहले रोटी सेंकने पहुंचते हैं राजनीति के महारथी। कोई अपनी विचारधारा की डुगडुगी बजाता है, कोई अपने झंडे का डंडा गाड़ता है। हरियाणा में कहावत है— 'ब्याह म्हं आए थे, घोड़ी पै चढ़ बैठे।' कुछ नेता तो हमेशा ही भूमिगत राजनीति में विश्वास रखते हैं, जरूरत पड़ने पर ही कॉकरोच की तरह बाहर निकलते हैं। जरा सी हिट छिड़कते ही उनका सफाया होने लगता है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

स्टाफ नर्स एवं कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर पदों के लिए अभ्यर्थियों का चयन

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन दुर्ग अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु कुल 47 पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। उक्त विज्ञापित पदों में से स्टाफनर्स, स्टाफ नर्स एवं कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर पदों के लिए प्रतीक्षा सूची से संवर्गवार अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। अनंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों की संवर्गवार सूची दुर्ग जिले की विभागीय वेबसाइट www.durg.gov.in पर अपलोड कर दी गई है। सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार स्टाफनर्स एवं स्टाफ नर्स पदों के लिए प्रतीक्षा सूची से चयनित अभ्यर्थी 21 अगस्त 2026 तक 15 कार्यदिवसों के भीतर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग में उपस्थित होकर अपना नियुक्ति आदेश प्राप्त कर पदभार ग्रहण कर सकते हैं। वहीं कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर पद के लिए प्रतीक्षा सूची से चयनित अभ्यर्थियों की रिक्त पदस्थापना स्थल के चयन हेतु 10 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे तक कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग में काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सभागार में मेरिट के आधार पर काउंसलिंग के माध्यम से रिक्त पदस्थापना स्थल चयन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

विभागीय परीक्षा 3 से 10 अगस्त तक आयोजित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन, गृह–सी विभाग (विभागीय परीक्षा प्रकोष्ठ), मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार विभागीय परीक्षा का आयोजन 3 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। विभागीय परीक्षा के लिए भिलाई प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), दुर्ग को परीक्षा केंद्र नामांकित किया गया है। आयुक्त दुर्ग संभाग द्वारा विभागीय परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिए परीक्षा अवधि के दौरान आवश्यकतानुसार चार कक्ष आरक्षित रखने तथा परीक्षार्थियों के बैठने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा गया है। पूर्व वर्षों में भी विभागीय परीक्षाओं के सफल संचालन में बीआईटी प्रबंधन का सहयोग प्राप्त हुआ है। परीक्षा संचालन से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर इसकी जानकारी संभाग आयुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराने कहा गया है।

आंगनबाड़ी सहायिका हेतु 13 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 02 के अंतर्गत स्वीकृत पदों की पूर्ति हेतु 13 अगस्त 2026 तक ई–भर्ती पोर्टल https://aww.e-bharti.in/ पर आंगनबाड़ी केन्द्र अकलोरडीह केन्द्र क्रमांक 01, वार्ड क्रमांक –03 में आंगनबाड़ी सहायिका के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 02 में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

जिला अस्पताल में 4.85 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक सर्जिकल विंग, हुआ भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने जिला चिकित्सालय दुर्ग परिसर में सर्जिकल विंग प्रथम तल (फेस–2) के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस परियोजना पर 4 करोड़ 85 लाख 43 हजार रुपये की लागत आएगी। कार्यक्रम में नगर निगम सभापति श्याम शर्मा, छत्तीसगढ़ तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी, सिविल सर्जन डॉ. आशिष मिंज सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सक, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता ए.के. भट्टाचार्य एवं अन्य अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

7 आधुनिक पेइंग रूम और अत्याधुनिक सुविधाएं

भूमिपूजन के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री गजेंद्र यादव ने अवगत कराया कि नए भवन में 7 पेइंग रूम बनाए जाएंगे, जहां मरीजों और उनके परिजनों को निजी अस्पताल जैसी सुविधाएं मिलेंगी। दो वेटिंग हॉल, सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशनिंग, टीवी सहित आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जिला अस्पताल में पेइंग वार्ड नहीं होने के कारण मरीजों को परेशानी होती थी। अब डिलीवरी के बाद यदि कोई परिवार जच्चा–बच्चा को डॉक्टरों की निगरानी में सुरक्षित वातावरण में रखना चाहता है, तो उसे अलग पेइंग रूम की सुविधा उपलब्ध होगी। मंत्री ने बताया कि करीब 15 वर्ष पहले जिला अस्पताल में पेइंग वार्ड संचालित होता था, जहां शहर के कई परिवार अपने मरीजों और प्रसूताओं को भर्ती कराते थे। उस समय अलग किचन और अन्य विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध थीं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीजों और प्रसव कराने आने वाली महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन पेइंग वार्ड की सुविधा समाप्त हो चुकी थी। सरकार बनने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री से इस सुविधा को फिर शुरू करने की मांग की थी, जिसे अब स्वीकृति मिल गई है। अस्पताल परिसर में ही डॉक्टरों की निगरानी में सुरक्षित रह सकेंगे और परिजनों को भी बेहतर व्यवस्था मिलेगी। उन्होंने जल्द ही अस्पताल में अलग एमआरआई सेंटर तथा सीटी स्कैन सेंटर स्थापित किए जाने का आश्वासन दिया।

जनदर्शन की शिकायतों का हो त्वरित निराकरण विकास कार्यों में न हो देरी - आयुक्त सुरूचि सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने गुरुवार को निगम सभागार में विभिन्न विकास कार्यों एवं विभागीय गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्य कार्यालय एवं सभी जोन कार्यालयों के अधिकारी तथा अभियंतागण उपस्थित रहे। आयुक्त ने सभी विभागों को नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में गति लाने तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में आयुक्त ने कहा कि जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों से प्राप्त मांगों एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं को की गई कार्रवाई की जानकारी भी समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। आयुक्त ने सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, निर्माण कार्य एवं अन्य आवश्यक कार्यों से संबंधित निविदा प्रक्रिया आगामी तीन माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में कार्य प्रभावित न हों और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं निरंतर उपलब्ध होती रहें।

बैठक में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) कचान्दुर के उपचारित जल के प्रभावी उपयोग पर भी चर्चा की गई। आयुक्त ने उपचारित जल का प्राथमिकता के आधार पर औद्योगिक एवं सिंचाई कार्यों में उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जल कार्य विभाग को पाइपलाइन विस्तार एवं जलापूर्ति से जुड़े सभी कार्य करने कहा गया है, साथ ही वितरण प्रणाली, पाइपलाइन विस्तार से संबंधित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गये हैं। बोरवेल कार्यों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने निर्देशित किया कि बोरवेल खुदाई के मामलों में पानी निकलने की स्थिति में ही संबंधित एजेंसी को भुगतान किया जाए। उन्होंने बिजली बिलों के बढ़ते भार एवं लंबित भुगतान की भी समीक्षा की तथा सरचार्ज में राहत प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा निगम कार्यालय में स्थापित काउकैचर एवं एलिवेटर के तत्काल संधारण कराए जाने कहा गया है, साथ ही आवश्यक वाहनों की मरम्मत एवं सुधार कार्य बिना विलंब पूर्ण कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। आयुक्त ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक विकास एवं जनहित के कार्य को निर्धारित समय–सीमा में पूरा करें, जिससे नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

राजस्व वसूली में तेजी लाने आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरुचि सिंह की अध्यक्षता में निगम के सभागार कक्ष में राजस्व आय तथा विभिन्न स्थानीय करों की समीक्षा हेतु एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम के राजस्व संग्रह की वर्तमान स्थिति का बारीकी से आकलन किया गया तथा आय वृद्धि के लिए जरूरी दिशा–निर्देश जारी किए गए।

आयुक्त ने कर वसूली कार्य में लगी एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर शत–प्रतिशत वसूली का लक्ष्य पूरा किया जाए।

बड़े राजस्व बकाएदारों की सूची तैयार कर उन्हें तत्काल नोटिस जारी करने और नियमानुसार वसूली की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। आम नागरिकों को कर भुगतान में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए डिजिटल भुगतान पद्धतियों और ऑनलाइन पोर्टल को और बेहतर बनाने पर बल दिया गया। राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे एजेंसी के कार्यों की प्रतिदिन निगरानी करें और प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

निगम क्षेत्र के सुनियोजित विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए समय पर राजस्व प्राप्त होना अत्यंत आवश्यक है। कर वसूली के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।

उक्त बैठक के दौरान अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त डी के कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, येशा लहरे, कुलदीप गुप्ता, लेखाधिकारी चन्द्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, राजस्व अधिकारी जे पी तिवारी, सहायक राजस्व अधिकारीगण एवं राजस्व वसूली एजेंसी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से मिली बिजली बिल की चिंता से स्थायी मुक्ति

दुर्ग। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए आर्थिक बचत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम बनकर सामने आई है। योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ते हुए बिजली बिल के बोझ को कम करना तथा अतिरिक्त बिजली उत्पादन के माध्यम से आय का अवसर उपलब्ध कराना है। दुर्ग शहर के गया नगर, वार्ड क्रमांक 4 की निवासी संचिता ताम्रकार इस योजना का लाभ लेकर न केवल अपने परिवार का बिजली खर्च लगभग समाप्त करने में सफल हुई हैं, बल्कि अब अतिरिक्त बिजली उत्पादन कर आर्थिक लाभ की दिशा में भी आगे बढ़ रही हैं। कुछ समय पहले तक उनके परिवार को हर माह बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था। गर्मी के मौसम में बिजली की खपत बढ़ने से बिल भी अधिक आता था, जिससे घरेलू बजट प्रभावित होता था। इसी दौरान उन्हें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार से 78,000 तथा छत्तीसगढ़ शासन से 30,000 की सब्सिडी प्राप्त हुई। कुल 1.08 लाख की सरकारी सहायता मिलने से सोलर प्लांट की स्थापना आसान और किफायती हो गई।

संयंत्र के आरसीएल विभाग के 15 कार्मिक 'कर्म शिरोमणि' पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विभाग द्वारा विगत दिनों में आरसीएल विभाग में कार्यरत कार्मिकों के लिए 'कर्म शिरोमणि' पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, समर्पण एवं गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए आरसीएल विभाग के 15 कार्मिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक राहुल श्रीवास्तव तथा महाप्रबंधक सिद्धार्थ मुखोपाध्याय ने

सम्मानित कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र की प्रगति एवं उपलब्धियों में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षित, संतोषजनक एवं समर्पित वातावरण में कार्य करने वाला कर्मचारी न केवल अपनी कार्यकुशलता बढ़ाता है, बल्कि संयंत्र की उत्पादकता एवं गुणवत्ता को भी नई ऊँचाइयों तक ले जाता है।

कार्यक्रम में अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं महाप्रबंधकों ने भी कार्मिकों को संबोधित करते हुए उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की तथा उन्हें भविष्य में भी गुणवत्ता एवं कार्य उत्कृष्टता की इसी भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सम्मानित कार्मिकों ने अपने समर्पण, जिम्मेदारी एवं उत्कृष्ट कार्यशैली के आधार पर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए स्वयं को योग्य सिद्ध किया है।

सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा जारी "Community Mediation Towards a Litigation-Free Rural India" स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा दिनांक 25 से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित पाँच दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का 29 जुलाई 2026 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के चतुर्थ तल स्थित नवीन सभागार में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सद्वक्तलतापूर्वक समापन हुआ।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम माननीय सर्वोच्च न्यायालय, माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर तथा माननीय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर की प्रेरणादायी संकल्पना के फलस्वरूप अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। उनके मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल एक शैक्षणिक पहल तक सीमित न रहकर सामाजिक परिवर्तन एवं वाद–मुक्त ग्रामीण भारत के निर्माण की दिशा में एक सशक्त जन–अभियान के रूप में स्थापित हुआ है।

पाँच दिनों तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण के साथ सहभागिता की गई, जिसमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के. विनोद कुजूर का सतत मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा।

प्रशिक्षण के दौरान सामुदायिक मध्यस्थता की अवधारणा, मध्यस्थता के मूल सिद्धांत, प्रभावी संवाद कौशल, सक्रिय श्रवण, विवाद विश्लेषण, व्यवहारिक मध्यस्थता तकनीकों, नैतिक मूल्यों एवं ग्राम स्तर पर विवादों के सौहार्दपूर्ण निराकरण के संबंध में गहन एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

वीएसके ऐप में तकनीकी त्रुटियों का होगा शीघ्र समाधान

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा है कि शिक्षक संगठनों एवं शिक्षकों द्वारा वीएसके ऐप में आ रही तकनीकी त्रुटियों एवं एरर संबंधी शिकायतों को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वीएसके ऐप में आने वाली तकनीकी समस्याओं के कारण किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं काटा जाएगा। शिक्षकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

यादव ने बताया कि संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी टीम को वीएसके ऐप में आ रही सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि 15 अगस्त तक ऐप में आ रही तकनीकी खामियों का समाधान कर इसे पूरी तरह सुचारु बनाया जाए, ताकि शिक्षकों को बिना किसी परेशानी के अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा मिल सके। शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के लगभग 1 लाख 75

हजार शिक्षकों में से लगभग डेढ़ लाख शिक्षक लगभग 85 प्रतिशत शिक्षक प्रतिदिन वीएसके ऐप के माध्यम से अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं।

यह दर्शाता है कि प्रदेश के शिक्षक नई तकनीक को अपनाते हुए शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं आधुनिक बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शिक्षक केवल शिक्षण कार्य ही नहीं, बल्कि डिजिटल व्यवस्था को सफल बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सरकार उनके इस सहयोग, अनुशासन और समर्पण का सम्मान करती है। शिक्षकों के सुझावों और अनुभवों के आधार पर वीएसके ऐप को और अधिक सरल, उपयोगी एवं प्रभावी बनाया जाएगा। गजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों के सम्मान, सुविधा और हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यदि किसी शिक्षक को तकनीकी कारणों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने में कठिनाई आती है, तो उसके हितों की पूरी सुरक्षा की जाएगी।

किसी भी शिक्षक को तकनीकी खामी का खामियाजा नहीं भुगतना पड़ेगा।उन्होंने सभी शिक्षकों से अपील की कि वे पूर्व की भांति वीएसके ऐप का उपयोग करते रहें तथा यदि किसी प्रकार की तकनीकी समस्या या सुझाव हो तो उसे संबंधित अधिकारियों तक अवश्य पहुँचाएँ। सरकार प्रत्येक सुझाव का सकारात्मक परीक्षण कर आवश्यक सुधार करेगी, ताकि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावी एवं तकनीक–सक्षम बन सके।

जिला पंचायत दुर्ग में कृषि स्थायी समिति की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला पंचायत दुर्ग की कृषि स्थायी समिति की बैठक जिला पंचायत सभागार में सम्पन्न हुई। नीलम राजेश चंद्राकर, समिति की सभापति के अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य श्रद्धा साहू, जितेन्द्र यादव एवं सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर तथा उप संचालक कृषि (सदस्य सचिव) सहित कृषि एवं सम्बद्ध विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्य रूप से कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुधन विकास, क्रेडा तथा जल संसाधन एवं विद्युत विभाग के विभागीय कार्यों एवं संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा अपनी–अपनी प्रगति का विवरण तथा अनुमोदन हेतु आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए।

माननीय सभापति एवं समिति के सदस्यों द्वारा वी.बी. राम जी योजना के अंतर्गत कृषि पीक सीजन (20 जून से 20 जुलाई एवं 15 अक्टूबर से 15 नवंबर) के दौरान नए कार्यों के अनुमोदन एवं संचालन को स्थगित रखने एवं योजना के अभिसरण से वार्षिक कार्य योजना तैयार कर समिति से अनुमोदन कराये जाने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम किसान/हितकारियों तक पहुँचाने व विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के पूर्व अनिवार्य रुप से हितग्राहियों का अनुमोदन किये जाने के निर्देश दिये गये।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

मुख्यमंत्री साय के विजन को रेखांकित करेगी 'मुस्कुराता बस्तर' कार्टून कार्यशाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के सहयोग से देश की एकमात्र मासिक कार्टून पत्रिका कार्टून वॉच द्वारा जगदलपुर में स्कूली विद्यार्थियों के लिए 'मुस्कुराता बस्तर' थीम पर विशेष कार्टून कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में विद्यार्थियों को कार्टून और कैरिकेचर कला का प्रशिक्षण देने के साथ बस्तर की संस्कृति, पर्यटन और लोकजीवन को रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर आज विकास, पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान के नए आयाम स्थापित कर रहा है। बस्तर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और पर्यटन स्थलों के कारण देश-दुनिया में नई पहचान बना रहा है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, बस्तर दशहरा तथा अन्य लोकपर्व बस्तर की समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। कार्टून वॉच के संपादक त्र्यंबक शर्मा ने बताया कि कार्यशाला की थीम 'मुस्कुराता बस्तर' इन्हीं सकारात्मक पहलुओं को कार्टून कला के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति देना है। इस कार्यशाला में दिल्ली के वरिष्ठ कार्टूनिस्ट माधव जोशी तथा पुणे के प्रसिद्ध कैरिकेचर कलाकार शुभम जिंदे लाइव डेमो के माध्यम से ऑन-द-स्पॉट कार्टून और कैरिकेचर बनाने का प्रशिक्षण देंगे।

चार महीनों में 130 सफल ऑपरेशन

रायपुर। सुकमा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की जनहितैषी सोच और वन एवं प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार कलेक्टर अमित कुमार के प्रयासों से जिला अस्पताल सुकमा में तीन वर्षों से बंद पड़ा ऑर्थो (हड्डी रोग) ऑपरेशन थिएटर मार्च 2026 से दोबारा शुरू किया गया। इसके बाद से अस्पताल में मरीजों को बेहतर और समय पर इलाज मिलना शुरू हुआ है। जनवरी 2026 में एमएस ऑर्थो विशेषज्ञ डॉ. संदीप वर्मा की पदस्थापना के बाद अस्पताल में हड्डी रोग के उपचार और ऑपरेशन की सुविधा मजबूत हुई। पिछले चार महीनों में यहाँ 130 सफल ऑपरेशन किए गए हैं। इससे जिले के सैकड़ों मरीजों और उनके परिवारों को राहत मिली है। ग्राम कुकानार की 13 वर्षीय छात्रा कु. सोनमती पेड़ से गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसके दोनों पैरों की जाँघ की हड्डियाँ टूट गई थीं। जिला अस्पताल में समय पर उपचार, ब्लड बैंक से रक्त की उपलब्धता और सफल ऑपरेशन के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ हो रही है।

सूर्य की रोशनी बनी बचत की नई पहचान

कोरबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नए युग का सूत्रपात कर रहा है। इसी संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल एक योजना नहीं, बल्कि देश के लाखों परिवारों को स्वच्छ ऊर्जा, आर्थिक बचत और आत्मनिर्भरता से जोड़ने वाला जनआंदोलन बन चुकी है। यह योजना घर-घर सौर ऊर्जा पहुंचाकर बिजली बिल का बोझ कम करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और हरित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षा जीवन बदलने की सबसे बड़ी ताकत : वित्त मंत्री ओपी चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ जिले के नगर पंचायत पुसौर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव-2026 उत्साह, उल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय भवन का भूमिपूजन किया। साथ ही नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें पाठ्यपुस्तकें, गणवेश और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री वितरित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि विद्यालय में पहला कदम किसी भी बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत होता है। शिक्षा केवल व्यक्ति का जीवन ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की दिशा और दशा बदलने की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने अपने संघर्षपूर्ण जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासित जीवन और सतत मेहनत के बल पर उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा तक का सफर तय किया। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन का लक्ष्य अभी से निर्धारित करने और उसी दिशा में समर्पित होकर मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल पढ़ाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह तय होना चाहिए कि जीवन में किस क्षेत्र में आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के द्वार खुले हैं और ऐसे अवसरों की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाना शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राष्ट्रीय संस्थानों में चयनित होने वाले विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

मंत्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार प्रतिभाशाली अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को आईएएस सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दिल्ली भेज रही है, जहाँ उनके अध्ययन और आवास का संपूर्ण व्यय सरकार वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा के मार्ग में आर्थिक अभाव कभी बाधा नहीं बन सकता। मंत्री श्री चौधरी ने शिक्षा की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए शिक्षकों और विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान जिन शिक्षकों के बच्चे शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत हैं, उनका मंच से सम्मान भी किया गया। उन्होंने प्राचार्यों और शिक्षकों का आह्वान किया कि वे ऐसे उत्कृष्ट शासकीय विद्यालय विकसित करें, जहाँ अभिभावक स्वयं अपने बच्चों का प्रवेश दिलाने के लिए उत्सुक हों। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है।

इसी कड़ी में पुसौर में नर्सिंग कॉलेज और नालंदा परिसर का निर्माण भी किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने कहा कि शाला प्रवेशोत्सव का उद्देश्य केवल नए विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि विद्यालय को बच्चों के लिए आनंददायक और प्रेरणादायी बनाना है।

शिक्षा से ही होता है सशक्त राष्ट्र का निर्माण, बड़े लक्ष्य तय कर पूरी निष्ठा से करें पढ़ाई : मंत्री टंक राम वर्मा

धमतरी में जिला स्तरीय 'शाला प्रवेशोत्सव' आयोजित; नवप्रवेशी बच्चों का हुआ आत्मीय स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर धमतरी स्थित मराठा मंगल भवन में जिला स्तरीय 'शाला प्रवेशोत्सव' का आयोजन किया गया। नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा के साथ भावुक व आत्मीय स्वागत किया गया। जिले के प्रभारी मंत्री वर्मा ने छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें एवं शाला गणवेश प्रदान किए।

सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया। दिव्यांग विद्यार्थियों को आवश्यक सहायक किट वितरित कर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। इसी तरह ?शैक्षणिक, खेलकूद, सांस्कृतिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है। आज का विद्यार्थी ही कल का वैज्ञानिक, शिक्षक, चिकित्सक और राष्ट्र निर्माता बनेगा। ?विद्यार्थियों में उत्साह भरने के लिए उन्होंने संत और तीन मजदूरों की एक प्रेरक कथा साझा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार एक मजदूर की सकारात्मक सोच और स्पष्ट लक्ष्य ने साधारण से पत्थर तोड़ने के काम को 'बांध निर्माण' जैसे महान राष्ट्रसेवा के कार्य में बदल दिया। उन्होंने कहा कि काम केवल हाथों से नहीं, बल्कि उद्देश्य और सोच से बड़ा बनता है। मंत्री श्री वर्मा ने विद्यार्थियों से केवल अंक लाने तक सीमित न रहकर ज्ञान और संस्कारों के माध्यम से समाज सेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया। जिले के प्रभारी मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में डिजिटल शिक्षा, मजबूत अधोसंरचना, छात्रवृत्ति और पारदर्शी योजनाओं के जरिए अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि कोई भी बच्चा आर्थिक या सामाजिक कारणों से पढ़ाई से दूर न रहे। ?कार्यक्रम में कलेक्टर ने स्वागत भाषण देते हुए जिले में विकसित की जा रही शैक्षणिक अधोसंरचना, नवाचारों और समावेशी माहौल की जानकारी दी। जिला शिक्षा अधिकारी ने विभागीय उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इसके अलावा जिला पंचायत अध्यक्ष तथा महापौर ने भी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू,अन्यजनप्रतिनिधि,अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

पौधरोपण और 'न्योता भोजन' में सहभागिता

मंत्री वर्मा ने नूतन विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर 'न्योता भोजन' किया, जिससे विद्यार्थियों में विद्यालय के प्रति अपनापन और उत्साह का संचार हुआ।

आयुष की संजीवनी: यूनानी और आयुर्वेद के संगम से मिल रहा मरीजों को नया जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नारायणपुर जिले में आयुष विभाग की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ गंभीर और जटिल बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए उम्मीद की नई किरण साबित हो रही हैं। यहाँ यूनानी और आयुर्वेदिक औषधियों के साथ-साथ पंचकर्म और शिरोधारा जैसी प्राचीन तकनीकों के सटीक समन्वय से ऐसे मरीजों का सफल इलाज किया जा रहा है, जो लंबे समय से दर्द और लाचारी का सामना कर रहे थे। यूनानी चिकित्सा अधिकारी के समर्पित प्रयासों से कई मरीज न केवल गंभीर बीमारियों से उबरे हैं, बल्कि अब सामान्य और आत्मनिर्भर जीवन जी रहे हैं।

नारायणपुर निवासी 45 वर्षीया श्रीमती इश्वरी यादव बीते लंबे समय से दोनों घुटनों के असहनीय दर्द, सूजन और गतिहीनता से बेहाल थीं। उठने-बैठने और चलने-फिरने से मजबूर इश्वरी जी को डॉक्टरों ने नी-रिप्लेसमेंट (घुटना प्रत्यारोपण) कराने की सलाह दे दी थी। सर्जरी के डर और अनिश्चितता के बीच वे आयुष विभाग पहुँचीं, जहाँ डॉ. ने यूनानी-आयुर्वेदिक औषधियों के साथ नियमित शिरोधारा चिकित्सा से उनका इलाज शुरू किया।

इस समन्वित उपचार का असर ऐसा रहा कि धीरे-धीरे उनका दर्द और सूजन पूरी तरह खत्म हो गई। बिना किसी ऑपरेशन के स्वस्थ हुई इश्वरी आज न केवल अपनी दिनचर्या आसानी से पूरी कर रही हैं, बल्कि नारायणपुर में अपना होटल भी सफलतापूर्वक संचालित कर रही हैं।

कुछ ऐसी ही राह 55 वर्षीय प्रमोद पाण्डेय की भी रही, जो मधुमेह (शुगर) के कारण शरीर में अत्यधिक कमजोरी, नसों में झुनझुनी, पैरों के भारीपन और मानसिक तनाव से ग्रस्त थे। स्थिति यह हो गई थी कि वे 100 मीटर भी पैदल चलने में असमर्थ थे। आयुष विभाग में यूनानी और आयुर्वेदिक दवाओं के साथ शिरोधारा थेरेपी के माध्यम से उनके शरीर में नई ऊर्जा का संचार किया गया।

इस इलाज से न केवल उनका तनाव और घबराहट दूर हुई, बल्कि उनके नर्वस सिस्टम और चलने-फिरने की क्षमता में भी अभूतपूर्व सुधार आया। 35 वर्षीया श्रीमती अर्पना नाग के लिए गर्भावस्था के दौरान शुरू हुआ दाहिने पैर का दर्द और झुनझुनी प्रसव के बाद भी पीछा नहीं छोड़ रहा था।

प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता-2026 के पोस्टर का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता-2026 (एनएसपीसी) के पोस्टर का विमोचन प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य तथा आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने खैरागढ़ में किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों एवं युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होकर प्रतियोगिता में अधिकाधिक भागीदारी करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता-2026 का आयोजन भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तत्वावधान में देशभर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण तथा स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

प्रतियोगिता का आयोजन पांच श्रेणियों में किया जा रहा है। इसमें कक्षा पहली से पांचवीं, कक्षा छठी से आठवीं, कक्षा नौवीं से बारहवीं, महाविद्यालय स्तर तथा स्वतंत्र (ओपन) श्रेणी शामिल हैं। प्रतियोगिता पूरी तरह ऑनलाइन एवं नि:शुल्क है, जिसमें प्रतिभागी अपने मोबाइल फोन के माध्यम से भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को तत्काल ई-प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 15 जुलाई 2026 से 15 सितंबर 2026 तक आयोजित की जा रही है।

आदि अमितान अभियान से बैगा समुदाय तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं

'पी.एम. जनमन यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग अभियान के तहत 38 गांवों के 4,819 बैगा हितग्राहियों को मिल रहा स्वास्थ्य लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विशेष पिछड़ी जनजाति (पी.व्ही.टी.जी.) बैगा समुदाय को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खैरागढ़ छुईखदान गंडई जिले में आदि अमितान पी.एम. जनमन यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग अभियान प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देशन में यह अभियान बैगा बहुल क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है।

छुईखदान विकासखंड में नोडल अधिकारी डॉ. मनीष बघेल एवं बीपीएम श्री बृजेश ताम्रकार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग एवं आदि अमितान की संयुक्त टीम 38 ग्रामों में निवासरत 4,819 बैगा जनजाति के प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक उपचार की सुविधा उपलब्ध करा रही है। अभियान का उद्देश्य बैगा समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति की समय पर स्वास्थ्य जांच कर गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक पहचान तथा समयबद्ध उपचार सुनिश्चित करना है।

अभियान के तहत प्रत्येक हितग्राही का व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार किया जा रहा है। साथ ही मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सिकल सेल रोग, एनीमिया, स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर, मोतियाबिंद, टीबी, मलेरिया, कुष्ठ रोग सहित अन्य प्रमुख बीमारियों की स्क्रीनिंग की जा रही है। जांच के दौरान आवश्यकता अनुसार मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है तथा गंभीर स्थिति होने पर उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया जा रहा है।

अभियान के दौरान यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी 0 से 2 वर्ष का बच्चा तथा गर्भवती महिला स्वास्थ्य सेवाओं एवं नियमित टीकाकरण से वंचित न रहे। स्क्रीनिंग के दौरान छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा है, वहीं गर्भवती महिलाओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है। गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रसित मरीजों को जिला प्रशासन द्वारा संचालित नि:शुल्क ष्आदि आरोग्य रथष् के माध्यम से उच्च स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाकर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे दूरस्थ बैगा बस्तियों के लोगों को समय पर बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल रही हैं।

अब तक अभियान के अंतर्गत 1,109 बैगा हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच कर उनका व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार किया जा चुका है। जांच के दौरान 27 मरीजों को उच्च उपचार के लिए रेफर किया गया, जिनमें 18 उच्च रक्तचाप के मरीज, 1 पी.एफ मलेरिया का मरीज तथा 8 एनीमिक गर्भवती महिलाएं शामिल हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया 'कबीर कुटीर' सामुदायिक भवन का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 35 नवनिर्मित सामुदायिक भवन 'कबीर कुटीर' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए समाज की एकजुटता, शिक्षा और युवा सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया।

मंत्री चौधरी ने कहा कि कबीर दास जी का जीवन और विचार आज भी समाज को नई दिशा देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कबीर जी केवल संत नहीं, बल्कि महान समाज सुधारक और दूरदर्शी चिंतक थे, जिनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में पनिका-महंत समाज से अपने बचपन के आत्मीय संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के लोगों से उनका रिश्ता वर्षों पुराना है और वे हमेशा समाज की उन्नति के लिए कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के भीतर जो प्रतिभाएं आगे बढ़ रही हैं, उन्हें प्रोत्साहित करना और अन्य युवाओं को भी आगे लाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने युवाओं से सुनियोजित तरीके से शिक्षा ग्रहण करने और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर संघ लोक सेवा आयोग (क्रस्ट) की तैयारी करने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को दिल्ली में रहकर कोचिंग प्राप्त करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने युवाओं से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में पिछले ढाई-तीन वर्षों में विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति मिली है। अनेक बड़े विकास कार्य स्वीकृत हो चुके हैं और विभिन्न चरणों में हैं, जिनका लाभ आने वाले समय में जनता को मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना को स्वीकृत कराने के लिए लगातार प्रयास और कठिन परिश्रम करना पड़ता है तथा वे प्रतिदिन क्षेत्र के विकास कार्यों की व्यक्तिगत रूप से मॉनिटरिंग करते हैं।

कार्यक्रम में समाज की ओर से छात्रावास की मांग रखे जाने पर वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार सभी समाजों के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास एवं विभिन्न शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने रायगढ़ में संचालित श्प्रयासश् आवासीय संस्थान तथा कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम में रायगढ़ नगर निगम के महापौर जीवर्धन चौहान, नगर निगम सभापति डिग्रीलाल साहू, जिला पनिका-महंत समाज के अध्यक्ष गोपाल दास महंत सहित जिला पनिका-महंत समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

बॉलीवुड की 'जेंडया' बनीं वामिका गब्बी!

एक्ट्रेस के बोल्ड पिक्सी कट लुक पर फिदा हुए फैंस

वामिका गब्बी ने लंबे बाल कटवाकर बोल्ड पिक्सी कट लुक अपनाया। उनका नया ट्रांसफॉर्मेशन सोशल मीडिया पर वायरल है। फैंस उन्हें 'बॉलीवुड की जेंडया' बता रहे हैं, जबकि आयुष्मान खुराना ने भी खास रिएक्शन दिया।

बॉलीवुड एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने अपने नए लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। लंबे बालों को अलविदा कहते हुए उन्होंने बोल्ड पिक्सी कट हेयरस्टाइल अपनाई है। उनका यह ट्रांसफॉर्मेशन सामने आते ही फैंस ने उनकी तुलना हॉलीवुड स्टार ज़ेंडया से करनी शुरू कर दी। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने तो उन्हें 'बॉलीवुड की ज़ेंडया' तक कह दिया।

लंबे बालों को कहा अलविदा

वामिका गब्बी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह सैलून में बैठी नजर आती हैं। वीडियो की शुरुआत में वह बड़े हेयरकट को लेकर सोचती दिखाई देती हैं। कुछ पल बाद वह फैसला लेती हैं और उनके लंबे बाल काटे जाते हैं। आखिर में वामिका पूरे आत्मविश्वास और मुस्कान के साथ अपना नया पिक्सी कट लुक फ्लॉन्ट करती नजर आती हैं। बता दें, इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन भी लिखा, "Cheers to letting go", यानी पुरानी चीजों को पीछे छोड़कर नई शुरुआत का जश्न।

वामिका का नया हेयरस्टाइल सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई यूजर्स ने लिखा कि उनका नया लुक हॉलीवुड एक्ट्रेस जेंडया की याद दिलाता है। एक यूजर ने कमेंट किया, बॉलीवुड की जेंडया। इसके बाद कई अन्य लोगों ने भी इसी तरह की प्रतिक्रिया दी और कहा कि वामिका का यह ट्रांसफॉर्मेशन बेहद स्टाइलिश और इंटरनेशनल वाइब्स दे रहा है।

आयुष्मान खुराना ने भी किया रिएक्ट

वामिका के नए लुक पर उनके 'पति पत्नी और वो 2' के को-स्टार आयुष्मान खुराना ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट सेक्शन में लिखा, ये सिर्फ तू ही कर सकती थी गैब्स। आयुष्मान का ये कमेंट भी फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया।

वामिका गब्बी का ये मेकओवर वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस उनके आत्मविश्वास, नए लुक और स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि एक्ट्रेस ने अपने इस ट्रांसफॉर्मेशन से साबित कर दिया कि नया लुक अपनाने के लिए आत्मविश्वास सबसे जरूरी होता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वामिका हाल ही में रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' में नजर आई थीं। आने वाले समय में उनके कई नए प्रोजेक्ट रिलीज होने वाले हैं।

भूमि पेडनेकर की सावन पोस्ट पर बवाल

भड़के नेटिजन्स, लुक को लेकर सुनाई खरी खोटी

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर इन दिनों सोशल मीडिया पर नेटिजन्स के निशाने पर आ गई हैं। सावन के पवित्र महीने की शुरुआत के मौके पर भूमि ने भगवान शिव की भक्ति करते हुए अपना एक वीडियो और कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं। धार्मिक भावनाओं से प्रेरित इस पोस्ट को लेकर तारीफमिलने के बजाय एक्ट्रेस को कड़ी आलोचना और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है।

लोग उनके पोस्ट पर कमेंट कर उन्हें भला बुरा कर रहे हैं। विवाद की मुख्य वजह पूजा के दौरान उनका ब्लैक सनग्लासेस यानी धूप का चश्मा पहनना बना है, जिसे कई यूजर्स ने अनुचित और दिखावा करार दिया है।

भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक पोस्ट शेयर की। जिसमें वह ब्लू डेनिम जींस और ब्लैक टॉप पहने नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने इस कैजुअल लुक को आंखों पर लगाए ब्लैक सनग्लासेस के साथ पूरा किया था। वीडियो क्लिप में वह शिवलिंग पर बेहद श्रद्धा के साथ जल चढ़ाती हुई दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सावन शुरू होने के साथ ही मैं आसान जीवन के लिए नहीं, बल्कि इसे शान से जीने की ताकत के लिए प्रार्थना करती हूं। हर हर महादेव। जैसे ही यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हुई, कमेंट सेक्शन में नेटिजन्स का गुस्सा फूट पड़ा। यूजर्स ने मंदिर परिसर और धार्मिक अनुष्ठान के दौरान चश्मा पहनने के उनके फैसले पर जमकर सवाल उठाए।

तमाम ट्रोलिंग के बावजूद, भूमि ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में अपनी गहरी आस्था व्यक्त की थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सावन शुरू होने के साथ ही मैं आसान जीवन के लिए नहीं, बल्कि इसे शान से जीने की ताकत के लिए प्रार्थना करती हूं। हर हर महादेव।

जहां एक तरफ भूमि को ट्रोल किया जा रहा है वहीं, उन्होंने असम बाढ़ पीड़ितों पर चिंता व्यक्त की थी। साथ ही लोगों तक हर मुमकिन कोशिश पहुंचा रही हैं। इसके लिए वह लगातार अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट भी कर रही हैं।

द प्राइड ऑफभारत में नजर आएंगी भूमि

वर्कफ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर जल्द ही बड़े पर्दे पर एक बेहद पावरफुल किरदार में नजर आने वाली हैं। वह आने वाली ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज में निडर योद्धा रानी बेलावाड़ी मल्लम्मा का रोल निभाती दिखेंगी। संदीप सिंह द्वारा निर्देशित और निर्मित यह भव्य फिल्म दो भागों में बनाई जा रही है।

'मुझे बहुत शर्म महसूस होती थी', सना सईद का छलका दर्द

बोलीं- बीमारी पहचानने में 6 साल, ठीक होने में लगे 4 साल

कुछ कुछ होता है की चाइल्ड स्टार सना सईद ने पहली बार बुलिमिया से अपनी लंबी लड़ाई पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि छह साल तक बीमारी का पता नहीं चला और पूरी तरह ठीक होने में चार साल लग गए। साथ ही फिल्म इंडस्ट्री में बॉडी इमेज के दबाव पर भी अपनी राय रखी।

'कुछ कुछ होता है' में छोटी अंजलि का किरदार निभाकर घर-घर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सना सईद ने पहली बार अपने निजी संघर्ष पर खुलकर बात की है। अमेरिका में अपनी प्रोडक्शन कंपनी चला रहीं सना ने बताया कि वो कई सालों तक बुलिमिया नर्वोसा (Bulimia Nervosa) गंभीर ईटिंग डिसऑर्डर से जूझती रहीं। उन्होंने कहा कि शुरुआत में उन्हें ये तक समझ नहीं आया कि आखिर उनके साथ हो क्या रहा है।

6 साल तक समझ नहीं आया कि मैं किस दौर से गुजर रही हूं

इंटरव्यू में सना ने बताया कि करीब 6 साल तक उन्हें अपनी बीमारी का पता ही नहीं चला। उन्होंने कहा कि वो लगातार शर्मिंदगी महसूस करती थीं और उन्हें लगता था कि शायद सिर्फ वही इस तरह की समस्या का सामना कर रही हैं। सना के अनुसार, उन्हें अपनी स्थिति की सही जानकारी तब मिली जब उन्होंने रिकवरी से जुड़ी एक किताब पढ़ी। उसी किताब से उन्हें समझ आया कि वो बुलिमिया जैसी गंभीर ईटिंग डिसऑर्डर से जूझ रही हैं।

एक्ट्रेस ने बताया कि बीमारी की पहचान होने के बाद भी पूरी तरह ठीक होने में उन्हें 4 साल का समय लगा। उन्होंने कहा कि वो सामान्य और स्वस्थ तरीके से खाना चाहती थीं और धीरे-धीरे इलाज, जागरूकता और आत्मविश्वास की मदद से उन्होंने इस बीमारी पर काबू पाया। साथ ही, सना ने कहा कि अब वो इसलिए अपनी कहानी सार्वजनिक कर रही हैं ताकि अगर उनकी बात किसी एक व्यक्ति को भी अकेला महसूस न करने में मदद करे, तो यह उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

फिल्म इंडस्ट्री में दिखने का दबाव भी बना वजह

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' की एक्ट्रेस ने मनोरंजन जगत में बढ़ते बॉडी इमेज प्रेशर पर भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कॉलेज के दिनों से ही आसपास डाइट, वजन घटाने और फिट दिखने की बातें होती रहती थीं।

सना के अनुसार, कैमरे के सामने रहने वाले स्टार के लिए उनकी शारीरिक बनावट भी पेशे का हिस्सा बन जाती है। लगातार मिलने वाली टिप्पणियां व्यक्ति के अपने शरीर के प्रति नजरिए को प्रभावित करती हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि उस समय वो अपनी आत्मसम्मान को अपने लुक्स से अलग करके नहीं देख पाती थीं।

क्या होता है बुलिमिया?

बुलिमिया नर्वोसा एक गंभीर ईटिंग डिसऑर्डर है, जिसमें व्यक्ति बार-बार जरूरत से ज्यादा भोजन करता है और फिर वजन बढ़ने के डर से उसे कम करने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाता है। ये मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर गंभीर असर डाल सकता है और समय रहते इलाज बेहद जरूरी होता है।

'प्यार का एंगल ' शो 'लॉकअप 2' में अर्जुन बिजलानी ने हर्षद चोपड़ा को दी जरूरी सलाह

टीवी के चर्चित अभिनेता हर्षद चोपड़ा और एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों रियलिटी शो 'लॉकअप 2' में बतौर प्रतियोगी शामिल हैं। इनकी बीच की दोस्ती बहुत गहरी फैंस को नजर आ रही है। इस वजह से हर्षद का खेल भी शो में खराब हो रहा है। ऐसे में अचानक शो में आकर करीबी दोस्त अर्जुन बिजलानी ने उन्हें इस मामले में पूरी तरह से सचेत रहने की सलाह दी।

अर्जुन ने शिवांगी के मामले में हर्षद को किया सचेत

अर्जुन बिजलानी जो शो में हर्षद चोपड़ा से मिलने आए थे तो उन्होंने कहा, 'मुझे एक बात बताओ सिर्फ दो लोग ही तुम्हें बचाने की कोशिश कर रहे थे। क्या यही रिश्ता तुमने बनाया है? तुम तो बहुत अच्छे हो। तो तुम्हें कहीं न कहीं सोचना चाहिए कि शायद मैंने किसी के साथ वैसा रिश्ता नहीं बनाया या शायद तुम किसी और के साये में खेल रहे थे। दोस्ती एक चीज है, लेकिन तुम्हारा गेम अलग है।

अगर कुछ ऐसा होता है और तुम दोनों आमने-सामने आ जाते हो, तो क्या तुम पीछे हट जाओगे और उसे जीतने दोगे?' अर्जुन बिजलानी आगे कहते हैं, 'बाहर

भले ही यह दोस्ती हो लेकिन तुम्हारी तरफसे यह लव एंगल जैसा लगता है। समझने की कोशिश करो। तुम चाहे कितनी भी सफाई दे दो। अगर यह सिर्फदोस्ती है तो तुम छोटी-छोटी बातों पर रोते नहीं हो। तुम्हें अपना गेम बेहतर करने की जरूरत है।' शो 'लॉकअप 2' की बात करें तो अब इसमें राम कपूर, शिवांगी जोशी, पामेला सेरेना, आकांक्षा चमोला, शिल्पा शिंदे, आकांक्षा चौधरी, राम कपूर, श्रेया कालरा, हर्षद चोपड़ा जैसे सेलेब्स ही बचे हैं। जल्द ही इसका फिनाले एपिसोड भी दर्शकों को देखने को मिलेगा।

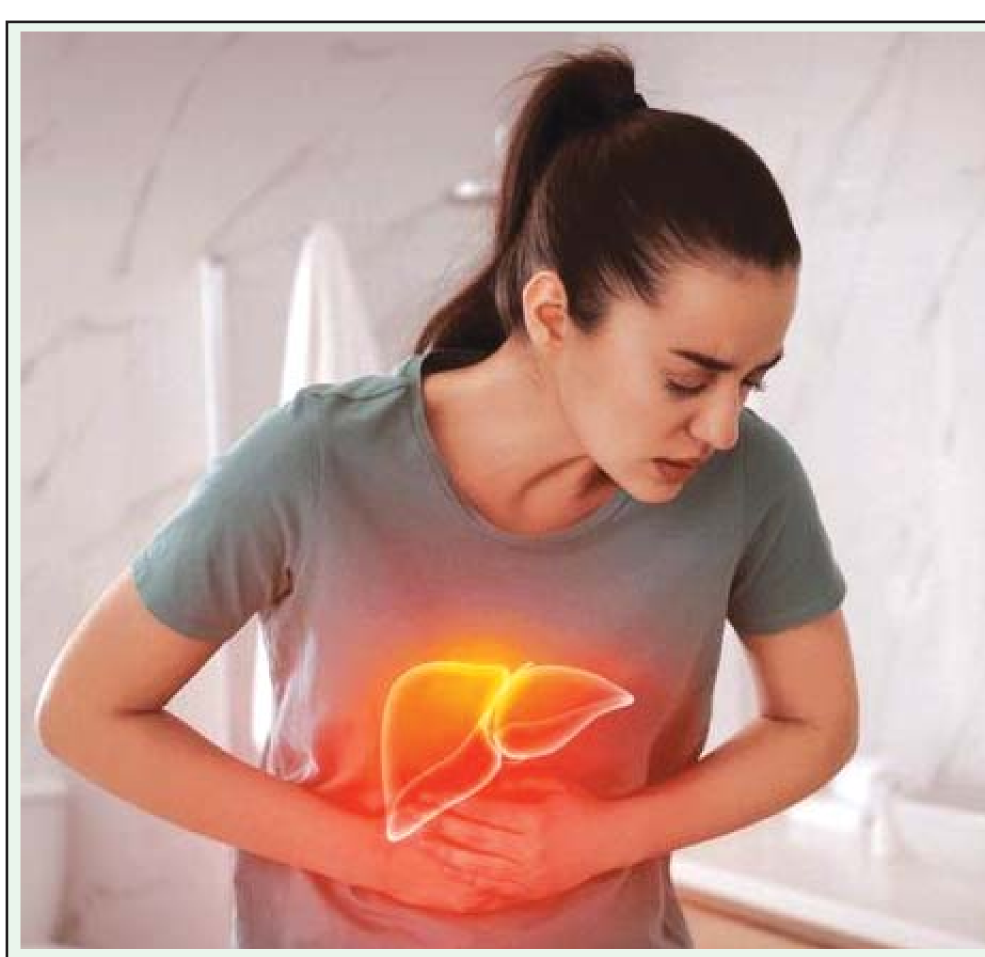

हेपेटाइटिस के 5 शुरुआती संकेत, नजरअंदाज करने की न करें गलती

हेपेटाइटिस लीवर की सूजन से जुड़ी एक बीमारी है। इसके कई प्रकार होते हैं, जिनमें से कुछ वायरस संक्रमण के कारण होते हैं, जबकि अन्य शराब के ज्यादा सेवन या कुछ अन्य बीमारियों के कारण होते हैं। हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस बी के बारे में लोगों को काफी जानकारी होती है, लेकिन हेपेटाइटिस सी के बारे में ज्यादा लोग नहीं जानते हैं। आइए आज हम आपको हेपेटाइटिस के कुछ ऐसे संकेत बताते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना महंगा पड़ सकता है।

त्वचा और आंखों का पीला पडऩा

अगर आपकी त्वचा या आंखों का सफेद भाग पीला पडऩे लगे तो समझ जाइए कि यह हेपेटाइटिस का एक शुरुआती संकेत हो सकता है। इसे पीलिया कहा जाता है और यह लीवर के ठीक से काम न करने के कारण होता है।

इसके अलावा हेपेटाइटिस के कारण शरीर में कुछ तत्वों का स्तर बढऩे लगता है, जिससे त्वचा का रंग पीला हो सकता है।

थकान महसूस होना

अगर आपको लगातार थकान महसूस हो रही है तो यह भी हेपेटाइटिस का शुरुआती संकेत हो सकता है। इस बीमारी के कारण लीवर की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिससे शरीर में थकान और कमजोरी महसूस होने लगती है।

इसके अलावा हेपेटाइटिस के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर भी कम हो जाता है। अगर आप भी लगातार थकान महसूस कर रहे हैं तो डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी जांच करवाएं।

भूख का न लगना

हेपेटाइटिस के कारण भूख कम लगती है या बिल्कुल नहीं लगती है। इसके कारण खाना खाने का मन नहीं करता और खाने की इच्छा खत्म हो जाती है। अगर आपको कुछ दिनों से भूख कम लग रही है या बिल्कुल नहीं लग रही है तो डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी जांच करवाएं। इससे आप सही समय पर बीमारी का पता लगा सकते हैं और उसका इलाज कर सकते हैं।

पेट में सूजन या दर्द होना

अगर आपके पेट में सूजन या दर्द हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी हेपेटाइटिस का एक शुरुआती संकेत हो सकता है। इसके अलावा हेपेटाइटिस के कारण पेट में गैस, जलन या भारीपन भी हो सकता है।

अगर आपको लंबे समय तक पेट में सूजन या दर्द हो रहा है तो डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी जांच करवाएं। इससे आप सही समय पर बीमारी का पता लगा सकते हैं और उसका इलाज कर सकते हैं।

पेशाब का रंग गहरा पडऩा

अगर पेशाब का रंग पीला, भूरा या लाल हो रहा है तो यह हेपेटाइटिस का एक शुरुआती संकेत हो सकता है।

हेपेटाइटिस के कारण लीवर ठीक से काम नहीं कर पाता और इससे शरीर में कुछ तत्वों का स्तर बढ़ जाता है, जिससे पेशाब का रंग गहरा पड़ जाता है।

अगर आपको लंबे समय तक पेशाब का रंग गहरा हो रहा है तो डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी जांच करवाएं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारी वर्षा को देखते हुए सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रहने के दिए निर्देश

रेड एवं येलो अलर्ट वाले जिलों में विशेष सतर्कता बरतने, संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी और समय पर राहत-बचाव सुनिश्चित करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगातार हो रही वर्षा तथा मौसम विभाग द्वारा कई जिलों के लिए जारी रेड एवं येलो अलर्ट को देखते हुए सभी जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को उच्च सतर्कता (हाई अलर्ट) पर रहने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे संभावित बाढ़ एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी रखें तथा संवेदनशील स्थानों की पहचान कर आवश्यक एहतियाती कदम तत्काल उठाएं। जिन क्षेत्रों में आवश्यकता हो, वहां लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि की संभावना न रहे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिले में राहत एवं बचाव की समुचित तैयारियां पहले से सुनिश्चित की जाएं। राहत शिविरों में भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयों, प्राथमिक उपचार, बिजली, स्वच्छता तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध रहे। साथ ही वृद्धजनों, महिलाओं, बच्चों तथा दिव्यांगजनों जैसे संवेदनशील वर्गों की विशेष देखभाल सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), पुलिस, होमगार्ड, नगर सेना, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, विद्युत वितरण कंपनी तथा अन्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ पूरी तत्परता बनाए रखें। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधनों, उपकरणों, नावों तथा राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी परिस्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला एवं राज्य स्तर पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाए तथा मौसम की स्थिति, जलाशयों के जलस्तर, नदी-नालों की स्थिति और संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों की नियमित समीक्षा की जाए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों से भी अपील की है कि वे मौसम विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, अनावश्यक रूप से नदी-नालों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन को दें।

खास-खबर

आधार सेवा केंद्र बना आयते के जीवन में उम्मीद की नई किरण

रायपुर। नागरिकों के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के आधार सेवा केंद्र नई और सुधरे हुए कामों के साथ एक बड़ी मदद हैं। यहाँ सभी जरूरी काम एक ही छत के नीचे आसानी से हो जाते हैं।दंतेवाड़ा जिले के ग्राम तोयलंका की निवासी आयते के लिए आधार सेवा केंद्र किसी वरदान से कम साबित नहीं हुआ। कई वर्षों से आधार कार्ड निष्क्रिय होने के कारण उन्हें पेंशन, राशन और अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई हो रही थी। कई बार प्रयास करने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका, जिससे वे काफी परेशान और निराश थीं। एक दिन गांव के लोगों से उन्हें जानकारी मिली कि जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आधार सेवा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जहां आधार से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाता है। यह सुनकर आयते तुरंत आधार सेवा केंद्र पहुंचीं और अपनी समस्या वहां के कर्मचारियों को बताई। जांच में पता चला कि लंबे समय से ई-केवाईसी नहीं होने के कारण उनका आधार कार्ड निष्क्रिय हो गया था।

महतारी वंदन योजना बनी आत्मनिर्भरता का आधार

रायपुर। राज्य शासन की जनकल्याणकारी महतारी वंदन योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का नया आधार बन रही है। सक्ति जिला के विकासखंड सक्ती के ग्राम पंचायत डोडकी निवासी गनेशी साहू इस योजना से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ी हैं। योजना के तहत उन्हें मिलने वाली मासिक सहायता राशि नियमित रूप से सीधे उनके बैंक खाते में जमा हो रही है और अब तक उन्हें 29वीं किस्त प्राप्त हो चुकी है। गनेशी साहू बताती हैं कि योजना से प्राप्त राशि ने उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता का एहसास कराया है तथा दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। वे इस राशि का उपयोग मुख्य रूप से अपने स्वास्थ्य, पौष्टिक आहार और आवश्यक घरेलू जरूरतों पर करती हैं। इससे न केवल उनके स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार हुआ है, बल्कि परिवार पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम हुआ है।

प्रदेश में वर्ष 2027 तक नए स्वरूप में 450 आश्रम-छात्रावास बनकर होंगे तैयार: सोनमणि बोरा

माह सितम्बर तक 1000 पोषण वाटिका उपवन तैयार करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने गुरुवार को विभागीय योजनाओं और कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विभाग का लक्ष्य केवल अधोसंरचना निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि छात्र-छात्राओं को सुरक्षित, संवेदनशील, गुणवत्तापूर्ण और प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव बोरा ने कहा कि यह गौरव की बात है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में वर्ष 2027 तक 450 नए आश्रम एवं छात्रावास भवन तैयार किए जाएंगे। जिससे दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों के लाखों विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी छह माह में 150 आश्रम-छात्रावास भवनों का निर्माण हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को समय पर आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने बैठक में आश्रम-छात्रावासों में लगभग 1000 पोषण वाटिका उपवन माह सितम्बर तक पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। विभागीय समीक्षा में अधोसंरचना निर्माण और छात्रावासों के संचालन सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने निर्माण कार्य में धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की।

बैठक में प्रमुख सचिव ने छात्रावास एवं आश्रमों के संचालन की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी छात्रावास एवं आश्रम अधीक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इन प्रशिक्षणों में विशेष रूप से नवनियुक्त अधीक्षकों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि वे सेवा के प्रारंभिक चरण से ही विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी कार्यशैली विकसित कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल प्रशासनिक औपचारिकता न होकर व्यक्तित्व विकास और व्यवहार परिवर्तन का माध्यम बने। इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में कम से कम दो प्रतिष्ठित मोटिवेशनल स्पीकर को आमंत्रित किया जाए, जो अधीक्षकों को नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच, संवाद कौशल और छात्र-छात्राओं के साथ मानवीय व्यवहार के विषय में मार्गदर्शन दें। प्रमुख सचिव बोरा ने बैठक में कहा कि छात्रावास में रहने वाली छात्राओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य और शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधीक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से छात्राओं के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार करने के भी प्रशिक्षण देने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य, परामर्श और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी भी गंभीरता से निभाई जाए।

समीक्षा बैठक में छात्रावास में भोजन की गुणवत्ता पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुकिंग एवं न्यूट्रिशन से संबंधित विशेष सत्र आयोजित किए जाएं। अधीक्षकों एवं भोजन व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों को मौसम के अनुरूप संतुलित एवं पौष्टिक मेन्यू तैयार करने की जानकारी दी जाए, ताकि विद्यार्थियों को स्थानीय उपलब्ध खाद्य सामग्री के आधार पर पौष्टिक भोजन मिल सके और उनके स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार आए।

नियद नेल्ला नार 2.0 अभियान को मिला गति

घर-घर पहुंचकर वंचित हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ा जाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित नियद नेल्लानार 2.0 अभियान को गति प्रदान की जा रही है। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेम कुमार पटेल के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में खैरागढ़ एवं छुईखदान विकासखंड के ग्राम पंचायत सचिवों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम में सचिवों को अभियान की कार्ययोजना, सर्वेक्षण प्रक्रिया, पात्रता सत्यापन, हितग्राहियों के पंजीयन तथा विभिन्न विभागों की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य ऐसे पात्र व्यक्तियों एवं परिवारों की पहचान करना है, जो पात्र होने के बावजूद अब तक शासन की किसी योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर सके हैं। अभियान के तहत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम स्तरीय सत्यापन दल गठित किए गए हैं। इन दलों में सचिव, पटवारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रोजगार सहायक, मितानिन, सक्रिय महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य, किसान सगवारी तथा कोटवार को शामिल किया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में सचिव को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सत्यापन दल विभिन्न विभागों से प्राप्त सूची के आधार पर घर-घर पहुंचकर हितग्राहियों का पात्रता अनुसार सत्यापन करेंगे।

साथ ही सर्वेक्षण के दौरान ऐसे पात्र व्यक्तियों की भी पहचान की जाएगी, जिन्हें अब तक किसी शासकीय योजना का लाभ प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे सभी हितग्राहियों का पंजीयन कर उन्हें संबंधित योजनाओं से जोड़ने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले का कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

महिलाओं की सामूहिक ताकत से महका एमसीबी का जीराफूल धान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आत्मनिर्भर भारत के साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले की महिलाओं ने एक नई मिसाल कायम की है। सिद्धबाबा महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी ने सामूहिक प्रयास, वैज्ञानिक खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों के दम पर सुगंधित जीराफूल धान की ऐसी सफलता की कहानी लिखी है, जो अब पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा बन रही है। महिलाओं की इस पहल ने न केवल खेती को लाभकारी बनाया है, बल्कि स्थानीय कृषि उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में भी मजबूत कदम बढ़ाया है।

महिला शेयरधारकों को संगठित कर गठित इस एफपीओ ने जीराफूल धान की खेती की शुरुआत उच्च गुणवत्ता वाले बीजों और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार नर्सरी के साथ की। कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में किए गए बीज उपचार और आधुनिक तकनीकों के प्रयोग का परिणाम यह रहा कि 100 प्रतिशत अंकुरण प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि ने महिला किसानों का आत्मविश्वास कई गुना बढ़ा दिया।

सफल अंकुरण के बाद महिलाओं ने सामूहिक रूप से 10 एकड़ क्षेत्र में जीराफूल धान की खेती का विस्तार किया। समय पर रोपाई, संतुलित पोषण प्रबंधन, नियमित सिंचाई और सतत निगरानी के कारण खेतों में फसल शानदार स्थिति में है। आज लहलहाते धान के खेत महिला किसानों की मेहनत, अनुशासन और सामूहिक नेतृत्व की जीवंत मिसाल बन चुके हैं। इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि महिलाएं केवल खेतों में श्रम तक सीमित नहीं रहीं।

बच्चों के सुरक्षित कल के लिए धमतरी में साझा हुए पेरेंटिंग के नए मंत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। बच्चों के सर्वांगीण विकास, उनके अधिकारों की सुरक्षा और एक संवेदनशील पारिवारिक माहौल तैयार करने के उद्देश्य से धमतरी में 'समझदार पालक-सशक्त प्रदेश' विषय पर एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की पहल पर आयोजित इस कार्यशाला में समाज, जनप्रतिनिधियों और 40 से अधिक अभिभावकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के दो दिवसीय प्रवास के दौरान रूद्री रोड स्थित परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और व्यक्तित्व विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यशाला में अभिभावकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से प्रभावी संवाद के गुर सिखाए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी और जिम्मेदारी उनके माता-पिता हैं। अपने बच्चों के लिए तो हर माँ 'देवकी' होती है, लेकिन समाज का दायित्व है कि राह से भटके और बेसहारा बच्चों के लिए 'यशोदा' बनकर भी मिसाल कायम करें।

रायपुर की मनोवैज्ञानिक डॉ. गार्गी पांडे ने बताया कि माता-पिता का आचरण बच्चों के आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य की नींव रखता है। उन्होंने बच्चों के बदलते व्यवहार को समझकर उनके साथ दोस्ताना संवाद स्थापित करने के व्यावहारिक सुझाव दिए।

बच्चों के कानूनी अधिकार की विशेषज्ञ दिव्यांशी शर्मा ने बच्चों के चार मूलभूत अधिकारों और बाल संरक्षण आयोग की शक्तियों से अभिभावकों को अवगत कराया। नगर निगम महापौर ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम संस्कारित और स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं। ?जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अभिभावकों से बच्चों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, बाल कल्याण समिति के सदस्यों और प्रबुद्ध नागरिकों सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री जनमन योजना से वनांचल ग्राम छिंदपुर में बनी पक्की सड़क, ग्रामीणों की राह हुई आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी बरसात के मौसम में घुटनों तक कीचड़ से होकर आवागमन करने सुदूर कबीर धाम जिले के वनांचल छिंदपुर गांव की तस्वीर अब बदल चुकी है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत मेन रोड बांटीपथरा से छिंदपुर तक 1.5 किलोमीटर पक्की सड़क के निर्माण ने ग्रामीणों के जीवन में नई सुविधाओं का रास्ता खोल दिया है।

वर्षों से आवागमन की कठिनाइयों का सामना कर रहे ग्रामीण अब हर मौसम में सुरक्षित और सुगम यात्रा कर पा रहे हैं। करीब 270 आबादी वाले इस वनांचल गांव के लिए यह सड़क केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि विकास की शुरुआत बन गई है। सड़क बनने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, खेल गतिविधियों और दैनिक जीवन से जुड़ी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गई है।

पहले बांटीपथरा से छिंदपुर तक केवल कच्चा मार्ग था। बारिश शुरू होते ही पूरा रास्ता कीचड़ से भर जाता था। कई स्थानों पर घुटनों तक कीचड़ होने के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता था। ग्रामीणों को आवश्यक सामग्री सहित अन्य कार्यो के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता था। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत इस मार्ग का पक्की सड़क में रूपांतरण होने से अब गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से हर मौसम में बना रहता है। इससे ग्रामीणों का समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से वनांचल क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार लगातार किया जा रहा है। सड़क जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध होने से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, कृषि कार्यों, बाजार और शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने लगा है।

ग्राम छिंदपुर के निवासी बैसाखु ने बताया कि पहले मेन रोड बांटीपथरा से गांव तक पहुंचना कठिन था। बरसात में घुटनों तक कीचड़ होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी होती थी। अब पक्की सड़क बनने से आवागमन पूरी तरह आसान हो गया है। गांव तक वाहन भी आसानी से पहुंचने लगे हैं और दैनिक जीवन में काफी सुविधा मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत बनी यह सड़क अब बरसात का मौसम भी विकास की राह में बाधा नहीं बनता।

पीएमजीएसवाई विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत सुदूर और विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्य किए जा रहे हैं। बांटीपथरा से छिंदपुर तक 1.5 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण किया गया है। इस सड़क से ग्रामीणों को वर्षभर आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

खिलाड़ियों के सपनों को भी मिला नया रास्ता

ग्राम कुसियारी निवासी युवा क्रिकेट खिलाड़ी देवचंद ने बताया कि पहले क्रिकेट खेलने के लिए कच्चे रास्ते पर बरसात के दिनों में चलना रहता था और कई बार क्रिकेट खेलने के लिए समय पर पहुंचना संभव नहीं हो पाता था। उन्होंने कहा कि अब पक्की सड़क बनने के बाद खेल मैदान तक पहुंचना आसान हो गया है। इससे गांव के युवाओं को नियमित अभ्यास करने का अवसर मिल रहा है। सड़क ने केवल आवागमन ही नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को भी नई गति दी है।

वैज्ञानिक खेती ने बदली मिठाईलाल की तकदीर

रायपुर। बदलते कृषि परिदृश्य में आधुनिक तकनीकों को अपनाने वाले किसान नई सफलता की कहानियां लिख रहे हैं। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम कछौड के प्रगतिशील किसान मिठाईलाल पिता इन्द्रदेव ने वैज्ञानिक खेती को अपनाकर यह साबित किया है कि नई सोच, सही मार्गदर्शन और आधुनिक तकनीक खेती को अधिक लाभकारी बना सकती है। इफको नैनो डीएपी के सफल उपयोग से उन्होंने खेती की लागत घटाने के साथ बेहतर उत्पादन की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए हैं। खेती से ही परिवार का भरण-पोषण करने वाले मिठाईलाल पिछले कई वर्षों से कृषि कार्य से जुड़े हैं। बीते कुछ समय से रासायनिक उर्वरकों की बढ़ती कीमत और उत्पादन को लेकर बनी अनिश्चितता उनके लिए बड़ी चुनौती बन गई थी।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
वेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

चलती ट्रेन में टॉयलेट की खिड़की से लटकती मिली लाश

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के रहने वाले युवक का शव बीना रेलवे स्टेशन पर पुष्पक एक्सप्रेस के जनरल कोच के टॉयलेट की खिड़की से फंदे पर लटका मिला। तलाशी के दौरान मिले आधार कार्ड से मृतक की पहचान गोरावर सिंह (30), पिता कुंजीलाल, निवासी कलीन चौक पदनिया, जिला कोरबा के रूप में हुई। ट्रेन में सफर कर रहे कुछ यात्रियों ने जीआरपी को बताया कि युवक भोपाल रेलवे स्टेशन से ट्रेन के गेट पर बैठकर यात्रा कर रहा था। इसके बाद वह कब शौचालय की ओर गया और यह घटना कैसे हुई, इसकी किसी को जानकारी नहीं है। पुलिस यात्रियों के बयान दर्ज कर रही है। फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया और मौत के कारणों की जांच कर रही है। घटना गुरुवार देर रात की है।

रायगढ़ में सेक्स रैकेट पर पुलिस का एक्शन

रायगढ़। रायगढ़ में पुलिस ने कथित देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। लाल टंकी क्षेत्र स्थित एक मकान में सेक्स रैकेट संचालित होने की सूचना पर साइबर सेल और पुलिस की संयुक्त टीम ने दबिश दी। कार्रवाई के दौरान एक महिला को हिरासत में लिया गया है, जबकि दो युवतियां संदिग्ध परिस्थितियों में मिलीं। उनसे पूछताछ की जा रही है। मामला कोताली थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि लाल टंकी इलाके में देह व्यापार का संचालन किया जा रहा है। मुखबिर की सूचना के आधार पर टीम ने संबंधित मकान पर छापा मारा। मौके से कुछ आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद होने की जानकारी सामने आई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हिरासत में ली गई महिला का नाम लक्ष्मी बताया जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि वह लंबे समय से इस कथित सेक्स रैकेट का संचालन कर रही थी। हालांकि, पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

4.20 लाख के गांजा के साथ पकड़ाया तस्कर

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। नगरनार पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्कर के पास से 8.375 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत 4 लाख 20 हजार रुपए है। आरोपी को कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई नगरनार थाना क्षेत्र में की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप बेपारी (26) निवासी ग्राम कुरूकोंडा, जिला मलकानगिरी के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद उसके बैग की तलाशी ली गई, जिसमें 8 पैकेटों में रखा कुल 8.375 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

रास्ते में खड़ी पिकअप हटाने की बात पर खूनी बवाल, 4 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सड़क किनारे खड़ी पिकअप गाड़ी हटाने की बात को लेकर हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। रॉड, हॉकी स्टिक और डंडों से हुए हमले में कई लोग घायल हो गए, जबकि एक युवक की हालत गंभीर है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जिले के पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़ी पिकअप गाड़ी हटाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच रॉड, डंडों, ईंट-पत्थरों और हाथ-मुक्कों से जमकर मारपीट हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घायलों में एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

पुलिस के अनुसार घटना 29 जुलाई की देर रात पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के डबरापारा इलाके में हुई। शिकायतकर्ता पूजा साहू अपने परिवार के साथ हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र से घर लौट रही थीं। डबरापारा पुल के नीचे सड़क किनारे एक पिकअप वाहन खड़ा होने के कारण उनकी कार आगे नहीं बढ़ पा रही थी, इस पर उन्होंने वाहन हटाने के लिए पिकअप चालक को बुलाया।

आरोप है कि पिकअप चालक सोहन वर्मा मौके पर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए विवाद करने लगा। इसी दौरान पूजा साहू के पति निलेश साहू भी वहां पहुंच गए। कुछ देर बाद सोहन वर्मा के साथ मोहन वर्मा, रामगोपाल वर्मा और उनका साथी राजा राजपूत भी मौके पर आ गए।

शिकायत के अनुसार चारों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और पिकअप वाहन में रखे लोहे के जैक रॉड तथा हॉकी स्टिक से निलेश साहू और तेजराम साहू के सिर एवं पैरों पर हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई। बीच-बचाव करने पहुंचीं सैलजा साहू के साथ भी मारपीट की गई। हमले में पीड़ित परिवार के कई सदस्य घायल हुए, जबकि एक युवक को गंभीर चोट लगने के कारण निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

घटना की शिकायत पर पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सोहन वर्मा, मोहन वर्मा, रामगोपाल वर्मा और राजा राजपूत को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटना में इस्तेमाल लोहे का जैक रॉड और हॉकी स्टिक भी जब्त कर ली गई है। चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

प्रापर्टी डीलर ने जमीन हड़पने परिवार को धमकाया, आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। दुर्ग जिले के मोहन नगर पुलिस ने जमीन हड़पने के लिए परिवार को धमकी देने वाले प्रापर्टी डीलर लाखन सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एसएसपी दुर्ग विजय अग्रवाल के पास शिकायत की गई थी। शिकायत जांच में सही पाए जाने पर उसे गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में धारा 296, 351(2), 308(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

27 जुलाई 2026 को प्रार्थी प्रविन्दर सिंह चाने द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दुर्ग को एक लिखित शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदन की प्रति संबंधित थाना में प्राप्त होने पर उसका परीक्षण किया गया। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि लाखन सिंह, जो प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करता है, द्वारा प्रार्थी की पत्नी एवं बच्चों के बीच भय का माहौल उत्पन्न कर उनकी भूमि हड़पने का प्रयास किए जाने की शिकायत प्राप्त हुई।

शिकायत के आधार पर अपराध क्रमांक 533/2026 अंतर्गत धारा 296, 351(2), 308(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी की पतासाजी कर विधिवत गिरफ्तार किया गया ,प्रकरण की विवेचना जारी है। पुलिस ने बताया कि लाखन सिंह द्वारा प्रार्थी के परिवार, विशेषकर पत्नी एवं बच्चों के बीच भय एवं दबाव का वातावरण निर्मित कर भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने एवं उसे अपने पक्ष में करने का प्रयास किया गया, जिसकी शिकायत प्राप्त होने पर वैधानिक कार्यवाही की गई।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि भूमि संबंधी किसी भी विवाद में कानून का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की धमकी, दबाव अथवा अवैध कब्जे के प्रयास की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें।

पुराने विवाद में युवक पर पाना पेंचिस से वार, चार दिन बाद मौत, जबलपुर से आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुराने विवाद में मारपीट के चार दिन बाद युवक की मौत हो गई। 25 जुलाई की इस घटना में युवक पर पाना पेंचिस से वार किया गया। गंभीर हालत में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। इस बीच युवक की मौत होने के बाद हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपी को जबलपुर मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया गया। यह पूरा मामला स्मृति नगर चौकी क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 25 जुलाई 26 को लगभग 6:00 बजे शाम को स्मृतिनगर चौकी क्षेत्र के आर्य नगर कोहका पानी टंकी के पास पुराने विवाद पर श्रेयान्स राजमन उर्फ़ बाबू भाई (23) के द्वारा कुमार सोनवानी (27) निवासी हाउसिंग बोर्ड कोहका मारपीट की। इस दौरान बाबू भाई ने गाड़ी के चक्का खोलने वाले पाना पेंचिस से कुमार पर वार किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

कुमार सोनवानी का इलाज के दौरान 29-07-26 के रात 8:00 बजे मौत हो गई। इस मामले में स्मृति नगर पुलिस ने हत्या के अपराध की धारा 103 बीएनएस जोड़ी जाकर फरार आरोपी श्रेयांश राजमन को जबलपुर से अभिरक्षा में लिया।

मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक की पिटाई के बाद मौत, दो आरोपियों पर हत्या का मामला दर्ज

मरवाही। मरवाही जिले के पेंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम माटियाडाड़ में मारपीट की एक घटना ने युवक की जान ले ली। मानसिक रूप से अस्वस्थ बताए जा रहे युवक की कथित पिटाई के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराएं जोड़ने की तैयारी कर रही है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की बहन बृस्पतिया बाई ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसका भाई रामकुमार चौधरी मानसिक रूप से अस्वस्थ था। वह लोगों को पहचानता था, लेकिन उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं थी।

आरोप है कि उसके जाने के बाद दोनों ने रामकुमार के साथ गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों तथा पत्थर से उसकी पिटाई कर दी। हमले में उसके सिर, चेहरे, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं।

घटना की जानकारी मिलने पर परिजन घायल रामकुमार को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया।

पेंड्रा थाना प्रभारी आर.एस. सेंगर ने बताया कि पहले दर्ज शिकायत के आधार पर मामला कायम किया गया था। अब युवक की मौत के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण में आवश्यक धाराएं बढ़ाई जाएंगी। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

शेयर ट्रेडिंग में दोगुना मुनाफे का झांसा, रिटायर्ड जीएम को 49 लाख का चूना लगाकर बंद किया फर्जी एप

भिलाई। सोशल मीडिया पर शेयर ट्रेडिंग का विज्ञापन देखकर निवेश करना एक सेवानिवृत्त जीएम को महंगा पड़ गया। साइबर ठगी का एक बड़े मामले में दुर्गापुर सेल के एक सेवानिवृत्त महाप्रबंधक को दोगुना मुनाफा दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने 49 लाख रुपये की ठगी वारदात को अंजाम दिया है। जीएम ने पूरे मामले की शिकायत रेंज साइबर पुलिस में दर्ज कराई है। रेंज साइबर थाना पुलिस शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफधोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। पीड़ित भिलाई के नेहरू नगर का रहने वाला है। उनके फेसबुक अकाउंट पर शेयर ट्रेडिंग में निवेश का एक आकर्षक विज्ञापन दिखाई दिया। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद उनकी बातचीत व्हाट्सएप के जरिए एक व्यक्ति से शुरू हुई। आरोपियों ने खुद को निवेश विशेषज्ञ बताते हुए शेयर ट्रेडिंग में निवेश करने पर कम समय में दोगुना लाभ मिलने का भरोसा दिलाया। ठग ने पीड़ित से एक निवेश संबंधी मोबाइल एप डाउनलोड कराया और उसी के माध्यम से निवेश की प्रक्रिया शुरू करवाई।

करीब डेढ़ महीने के भीतर उन्होंने कुल 49 लाख रुपए निवेश कर दिए। इसके बाद अचानक मोबाइल एप बंद हो गया और आरोपियों से संपर्क भी टूट गया। तब उन्हें एहसास हुआ कि वे साइबर ठगी का शिकार बन गए हैं।

इसके बाद उन्होंने पहले सुपेला थाना में शिकायत दर्ज कराई। फिर ठगी की राशि बड़ी होने के कारण मामला रेंज साइबर थाना को स्थानांतरित कर दिया गया। अब रेंज साइबर थाना पुलिस पीड़ित की शिकायत के आधार अज्ञात आरोपियों का पता लगाने में जुटी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिली किसान की लाश, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। घर के पीछे बाड़ी में किसान का शव मिलने के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। गले पर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

जिले के सीपत थाना क्षेत्र स्थित कौड़िया गांव में 28 वर्षीय किसान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। किसान का शव उसके घर के पीछे बाड़ी में मिला। गले पर चोट के निशान मिलने के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा।

पुलिस के अनुसार सीपत थाना क्षेत्र के कौड़िया गांव में घर के पीछे बाड़ी में युवक का शव पड़े होने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान 28 वर्षीय किसान चंद्रप्रकाश पटेल के रूप में हुई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में मृतक के गले पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिसके चलते मामला संदिग्ध माना जा रहा है। हालांकि पुलिस ने अभी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से इंकार किया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

सीएसपी तारकेश्वर प्रसाद यादव ने बताया कि फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला हत्या, आत्महत्या या किसी अन्य कारण से हुई मौत का है। इसके बाद नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

युवती ने मुस्लिम युवक पर पहचान छिपाने का लगाया आरोप

6 साल पहले दोस्ती, बाद में की थी शादी;बजरंग दल ने एफआईआर की मांग की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र में युवती ने मुस्लिम युवक पर नाम बदलकर दोस्ती करने और शादी करने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद मामला गरमा गया। बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने युवती की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब 6 साल पहले उसकी मुलाकात युवक से हुई थी। युवक ने अपना नाम सोनू बताया था। दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाद में शादी कर ली। आरोप है कि शादी के बाद उसे पता चला कि युवक का असली नाम सुफरान है। शिकायत के मुताबिक, शादी के बाद वह करीब एक साल तक पंडरी स्थित युवक के घर में उसकी नानी और बहनों के साथ रही।

6 साल पहले हुई थी मुलाकात, नाम बताया था सोनू

इस दौरान युवती गर्भवती हुई और उसने एक बेटे को जन्म दिया। पीड़िता का आरोप है कि बाद में सुफरान शेख हत्या के प्रयास के एक मामले में जेल चला गया, जहां वह एक साल से अधिक समय तक बंद रहा।

युवती का कहना है कि जेल से रिहा होने के बाद सुफ़रान ने बेटे को अपने पास रख लिया और उसे वापस नहीं दे रहा है। इसी मामले को लेकर उसने पंडरी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

परिजनों ने आरोपों को बताया निराधार

युवक के परिजनों ने युवती के आरोपों को गलत और निराधार बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने युवती को परिवार के सदस्य की तरह अपनाया था। उनका दावा है कि युवक के जेल जाने के बाद युवती ने खुद आधार केंद्र जाकर अपना नाम बदलवाया था।

मामले की जानकारी मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता पंडरी थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान कुछ देर के लिए थाने में तनाव की स्थिति बन गई।

पंडरी पुलिस ने शुरू की जांच

पंडरी थाना पुलिस का कहना है कि युवती की शिकायत और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध महिला के शव की हुई पहचान, पीएम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या का खुलासा

मरवाही। कोटमी चौकी क्षेत्र के ग्राम सेखवा में खेत से संदिग्ध परिस्थितियों में मिले अज्ञात महिला के शव की पहचान हो गई है। मृतका की पहचान कोरबा जिले के पसान थाना क्षेत्र अंतर्गत बैरा (कलेवानार) निवासी 40 वर्षीय संतोषी आयाम, पति स्वर्गीय इतवार सिंह के रूप में हुई है। परिजनों ने पुलिस के समक्ष शव की शिनाख्त की है। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले सेखवा मेन रोड स्थित बिमला बाई गोंड़ के खेत में एक महिला का शव चित अवस्था में मिला था। शव का चेहरा मिट्टी से ढंका हुआ था और कई दिन पुराना होने के कारण फूल चुका था, जिससे उसकी मौके पर पहचान नहीं हो सकी थी। सूचना मिलने पर कोटमी चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी।

जांच के दौरान पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेंड्रा में कराया। चिकित्सकों की प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत गला दबाकर दम घुटने से होना सामने आया। इसके बाद पुलिस ने मामले को हत्या मानते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

पुलिस अब मृतका की अंतिम गतिविधियों, घटनास्थल तक उसके पहुंचने की परिस्थितियों और संभावित आरोपियों के संबंध में गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है और जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, बालोद (छ.ग.)

निविदा क्र. 07/त.शा.(निविदा)/का.अ./लो.स्वा.यां.खण्ड/2026 बालोद, दिनांक : 29-07-2026

निविदा आमंत्रण सूचना (मैनुअल पद्धति)

मैनुअल निविदाएं "**प्रपत्र-ए**" में प्रतिशत दर पर नीचे उल्लेखित कार्य के लिये कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद द्वारा के एकीकृत पंजीयन व्यवस्था ई-रजिस्ट्रेशन की **सक्षम श्रेणी** में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण:-

नि.सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा प्रपत्र मूल्य	अमानत राशि
07	बालोद जिले के विकासखण्ड डौंडी एवं डौण्डीलोहारा के विभिन्न ग्रामों में भूजल पुनर्भरण हेतु 12 नग इन्जेक्शन वेल निर्माण कार्य।	रू. 3.84 लाख	750/-	5,000.00

टीप:- निर्धारित संख्या में आवश्यकतानुसार परिवर्तन की जा सकती है।

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि :- 18.08.2026 समय सायं 05:30 बजे तक

निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि :- 18.08.2026 समय सायं 05:30 बजे तक

स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि :- 20.08.2026 समय सायं 05:30 बजे तक

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक 29/07/2026 से एवं कार्यालयीन समय पर कार्यालय में देखे जा सकते है।

कार्यापालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद
जिला - बालोद (छ.ग.)

जी-262702439/3

भिलाई में 14 मिनट में दो चेन स्क्रेचिंग

भिलाई। भिलाई शहर में शुक्रवार सुबह एक के बाद एक हुई दो चेन स्नेचिंग की वारदातों से लोगों में दहशत फैल गई। 2 बदमाशों ने सुबह टहलने निकली अकेली बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाया। पहली घटना सुपेला थाना क्षेत्र के प्रियदर्शनी परिसर स्थित भाजपा कार्यालय के पास हुई। एक बुजुर्ग महिला अपने घर के सामने टहल रही थीं, तभी एक्टिवा सवार दो युवक वहां पहुंचे। वाहन चला रहा युवक हेलमेट पहने था, जबकि पीछे बैठा आरोपी चेहरे पर नकाब लगाए हुए था। दोनों ने महिला के गले से सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गए। अधिकारियों ने पीड़ित महिला से बातचीत की और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी है।

राष्ट्रपति भवन के विशेष अतिथि बने बस्तर के मांझी-चालकी : बस्तर पंडुम-2026 के विजेताओं और जनजातीय प्रतिनिधियों का हुआ विशेष सम्मान

बस्तर आज शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पहुँचा 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, राष्ट्रपति को भेंट की 300 वर्ष पुरानी 'झिटकू-मिटकी' की अनुपम कलाकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर की लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं और सामाजिक नेतृत्व की गौरवशाली विरासत ने राष्ट्रपति भवन में इतिहास रच दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधियों, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों सहित 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का राष्ट्रपति भवन में आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेताओं, परगना मांझी, मांझी, चालकी तथा पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया। भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा में अत्यंत दुर्लभ और आत्मीय दृश्य तब देखने को मिला, जब राष्ट्रपति ने स्वयं सभी अतिथियों को भोजन परोसकर उनका सम्मान किया। राष्ट्रपति की इस सहज आत्मीयता ने पूरे प्रतिनिधिमंडल को भावविभोर कर दिया।

प्रतिनिधिमंडल में उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, बस्तर के पारंपरिक जनजातीय नेतृत्व के प्रतिनिधि, बस्तर पंडुम-2026 के विजेता कलाकार, पद्मश्री सम्मानित विभूतियाँ, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से आत्मीय संवाद करते हुए बस्तर की जनजातीय संस्कृति, लोककला, पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था, मांझी-चालकी प्रणाली तथा बस्तर पंडुम के आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कलाकारों और जनजातीय प्रतिनिधियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक विरासत भारत की अमूल्य धरोहर है और उसका संरक्षण पूरे देश का दायित्व है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि सरकार के सतत प्रयासों और स्थानीय जनभागीदारी के परिणामस्वरूप बस्तर आज शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने शिक्षा, सड़क, बिजली, पेयजल तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर में आया यह सकारात्मक परिवर्तन पूरे देश के लिए प्रसन्नता और गर्व का विषय है। उन्होंने मांझी एवं चालकी की भूमिका की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि वे समाज और प्रशासन के बीच प्रभावी सेतु के रूप में कार्य करते हुए सामाजिक समरसता तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वे अनेक अवसरों पर राष्ट्रपति भवन आए हैं, किंतु पहली बार उन्होंने राष्ट्रपति भवन में बस्तर की पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में इतने बड़े प्रतिनिधिमंडल को एक साथ देखा है। उन्होंने कहा कि यह दृश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता और जनजातीय गौरव का अद्भुत प्रतीक है। लोकमान्यता के अनुसार कठिन अकाल के समय झिटकू और मिटकी ने अपने प्रेम, त्याग और समर्पण की ऐसी अमिट मिसाल प्रस्तुत की कि उन्हें देवतुल्य सम्मान प्राप्त हुआ। आज भी बस्तर अंचल में झिटकू को 'खोड़िया राजा' तथा मिटकी को 'गप्पा देई' के रूप में श्रद्धापूर्वक पूजा जाता है।

मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, विशेष सचिव रजत बंसल, संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, बस्तर संभाग के आयुक्त डोमन सिंह, संस्कृति एवं राजभाषा विभाग के संचालक संजय कन्नौजे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय बोले - यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से बस्तर के प्रतिनिधिमंडल की यह आत्मीय भेंट पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर अंचल के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि आज बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराएँ और सांस्कृतिक विरासत देश के सर्वोच्च संवैधानिक मंच पर सम्मानित हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर आज शांति, विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों ने जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा दिलाई है तथा स्थानीय कलाकारों, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर को नया मंच प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का जनजातीय समाज और उसकी संस्कृति से गहरा आत्मीय जुड़ाव है। उनके अनुभव, स्नेह और मार्गदर्शन से बस्तर की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को बस्तर आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि उनके आगमन से बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर और व्यापक पहचान मिलेगी तथा जनजातीय समाज का उत्साह और बढ़ेगा। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति भवन का भ्रमण भी किया तथा भारत की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक विरासत से जुड़े विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों और महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को बस्तर की लगभग 300 वर्ष पुरानी लोकगाथा 'झिटकू-मिटकी' पर आधारित विशेष कलाकृति स्मृति-चिह्न स्वरूप भेंट की। यह कलाकृति बस्तर की जनजातीय संस्कृति, प्रेम, समर्पण, लोकआस्था और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक मानी जाती है।

बस्तर पंडुम ने संस्कृति को दिलाई नई पहचान

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि बस्तर पंडुम छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, लोककलाओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने बस्तर की वास्तविक सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ पर्यटन, स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करते हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर के कलाकार, शिल्पकार और युवा अपनी सांस्कृतिक अस्मिता को सुरक्षित रखते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

राष्ट्रपति ने जताई बस्तर आने की इच्छा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आग्रह पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भविष्य में बस्तर दशहरा एवं बस्तर पंडुम में सम्मिलित होने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा उनके हृदय को विशेष रूप से स्पर्श करता है। राष्ट्रपति ने भगवान जगन्नाथ की काष्ठ निर्मित प्रतिमा तथा बस्तर दशहरा की अद्वितीय परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका बस्तर दशहरा से विशेष आत्मीय संबंध रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि मांझी उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनके पिता भी मांझी थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की परंपरागत नेतृत्व व्यवस्था सामाजिक एकता, सामुदायिक सहभागिता और सांस्कृतिक संरक्षण की सशक्त आधारशिला है।

मुख्यमंत्री साय की बड़ी सौगात: बनगाँव आश्रम चौक से मुड़ाटोली तक बनेगी 4.89 करोड़ रुपये की सड़क

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में ग्रामीण अधोसंरचना विकास को लगातार गति मिल रही है। इसी क्रम में जिले के बनगाँव आश्रम चौक से मुड़ाटोली पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 4 करोड़ 89 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस सड़क का निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

यह सड़क लंबे समय से क्षेत्र की प्रमुख मांगों में शामिल थी। प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क निर्माण से वर्षों से चली आ रही आवागमन की समस्या का स्थायी समाधान होगा।

नई सड़क बनने से क्षेत्र के विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी। विशेष रूप से बारिश के मौसम में ग्रामीणों को होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी और गांवों की जिला मुख्यालय सहित अन्य क्षेत्रों तक पहुंच अधिक सुगम हो सकेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में सड़क संपर्क का लगातार विस्तार हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीकृत सड़क परियोजनाएं न केवल आवागमन को सुगम बना रही हैं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई मजबूती प्रदान कर रही हैं। बनगाँव आश्रम चौक से मुड़ाटोली सड़क निर्माण की यह स्वीकृति क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

महानदी विवाद नहीं, छत्तीसगढ़-ओडिशा की साझा समृद्धि का आधार बने : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महानदी जल बंटवारे से जुड़े विषयों के सौहार्दपूर्ण एवं स्थायी समाधान की दिशा में नई दिल्ली स्थित श्रमशक्ति भवन में एक महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी जल विवाद के सम्बन्ध में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू सहित दोनों राज्यों के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों की साझा जीवनरेखा है। इसका जल किसानों की आजीविका, पेयजल व्यवस्था, औद्योगिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार इस बैठक को किसी विवाद की निरंतरता नहीं, बल्कि समाधान की नई शुरुआत के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के बीच संवाद और सहयोग का जो वातावरण बना है, वह भविष्य में स्थायी एवं व्यावहारिक समाधान का मजबूत आधार बनेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ओडिशा की सिंचाई, पेयजल तथा हीराकुंड परियोजना से जुड़ी आवश्यकताओं का पूरा सम्मान करती है। उसी प्रकार छत्तीसगढ़ के किसानों, आदिवासी अंचलों, सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा राज्य की भविष्य की विकास आवश्यकताओं को भी समान संवेदनशीलता के साथ देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के हित एक-दूसरे के विरोध में नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं और समाधान भी ऐसा होना चाहिए जिससे किसी भी पक्ष के हित प्रभावित न हों।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दोनों राज्यों के विशेषज्ञ उपलब्ध जल की मात्रा तथा उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन कर चुके हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन तकनीकी निष्कर्षों के आधार पर भविष्य उन्मुख एवं व्यवहारिक व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि कम वर्षा वाले सालों के लिए साझा जल प्रबंधन प्रणाली तैयार की जाए, जिससे किसी भी राज्य को कठिनाई का सामना न करना पड़े। साथ ही भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक स्थायी संस्थागत तंत्र विकसित किया जाए, जो समय-समय पर जल उपलब्धता, उपयोग और आवश्यकताओं की समीक्षा करता रहे।

मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि प्रशासनिक एवं तकनीकी स्तर पर अधिकतम विषयों का समाधान आपसी समन्वय से किया जाए तथा केवल नीतिगत महत्व के विषयों को ही मंत्रिस्तरीय स्तर पर विचार के लिए लाया जाए। उन्होंने कहा कि इससे निर्णय प्रक्रिया अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनेगी।

मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल तथा केंद्रीय जल आयोग से अनुरोध किया कि वे निष्पक्ष तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने, समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने तथा दोनों राज्यों के बीच दीर्घकालिक सहमति आधारित समझौते का प्रारूप तैयार कराने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

दीर्घकालीन सुचारू संचालन के लिए जल संचय और जल संरक्षण जरूरी : अरुण साव

पीएचई द्वारा यूनिसेफऔर एसीई के सहयोग से हर घर जल प्रमाणित गांवों की महिला सरपंचों के लिए कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव आज जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल प्रमाणित गांवों की महिला सरपंचों के लिए ग्रामीण पाइपलाइन जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में शामिल हुए। उन्होंने नवा रायपुर स्थित राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यशाला में महिला सरपंचों को संबोधित करते हुए कहा कि जल आपूर्ति की योजनाओं के लंबे समय तक सुचारू संचालन के लिए बारिश के पानी का संचय और जल संरक्षण आवश्यक है। यह भूजल को रिचार्ज करने के साथ ही दीर्घ काल तक जल स्रोतों में जल की उपलब्धता बनाए रखेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यशाला में सरपंचों से गांवों में हर घर नल से जल पहुंचने के बाद ग्रामीणों, खासकर महिलाओं के जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली। उन्होंने नल जल योजनाओं के संचालन-संधारण के लिए पंचायतों द्वारा की गई व्यवस्था के बारे में पूछा। उन्होंने गांवों में जलस्रोतों, जल की गुणवत्ता के नियमित परीक्षण तथा रखरखाव शुल्क की भी जानकारी ली। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा यूनिसेफ और एसीई संस्था के सहयोग से इस एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसमें करीब 100 महिला सरपंच शामिल हुईं।

कार्यशाला में हर घर जल प्रमाणित गांवों में नल जल योजनाओं के संचालन, संधारण और मरम्मत पर व्यापक विचार-विमर्श और बेस्ट प्रेक्टिसेस पर गहन चर्चा की गई। महिला सरपंचों ने इस दौरान जल जीवन मिशन के तहत अपनी-अपनी पंचायतों में जल आपूर्ति की व्यवस्था तथा नल जल योजना के संचालन-संधारण के अनुभव साझा किए। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने महिला सरपंचों को नल जल योजनाओं के सफल, निर्बाध और दीर्घकालीन संचालन के गुर बताए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यशाला में कहा कि जल आपूर्ति के लिए उपयोग हो रहे जल स्रोतों की देखभाल और सावधानीपूर्वक उपयोग जरूरी है।

इसके टिकाऊपन पर ही योजना की दीर्घकालीन सफलता निर्भर है। उन्होंने कहा कि नल जल योजनाओं के काम पूर्ण होने तथा पंचायतों को इसके हस्तांतरण के बाद इसका संचालन व संधारण ग्राम पंचायतों को करना है। जल जीवन मिशन हमारे घर और हमारे गांव के लिए योजना है। ग्राम पंचायतों को गांववालों के साथ मिलकर जल आपूर्ति की व्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाना है। श्री साव ने जल स्तर बनाए रखने तथा भू-जल स्रोतों को रिचार्ज करने स्टॉपडैम बनाने और बारिश के पानी को संग्रहित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी के प्राकृतिक बहाव के अवरोधों व अतिक्रमणों को हटाकर तालाबों को अच्छे से भरने की व्यवस्था सभी गांवों को करना चाहिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक, राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान की निदेशक रूबी मुखर्जी और यूनिसेफकी जल एवं स्वच्छता विशेषज्ञ सुश्री श्वेता पटनायक ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता के.के. मरकाम और अधीक्षण अभियंता समीर गौड़ भी कार्यशाला में मौजूद थे।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव में शामिल हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी

परमपूज्य सद्गुरु श्री ऋतेश्वर जी महाराज का लिया आशीर्वाद गुरु परंपरा के महत्व को बताया जीवन का मार्गदर्शक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी रायपुर स्थित जैनम मानस भवन में आनंदम धाम पीठ के पीठाधीश्वर परमपूज्य सद्गुरु श्री ऋ तेश्वर जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने परमपूज्य सद्गुरु श्री ऋतेश्वर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल ज्ञान का प्रकाश ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा, संस्कार और उद्देश्य भी प्रदान करते हैं। गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है।

उन्होंने कहा कि संतों और महापुरुषों का मार्गदर्शन समाज में नैतिक मूल्यों, सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराएं और अधिक मजबूत होती हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-महात्मा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। गुरु पूर्णिमा महोत्सव का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950